E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 180 | प्रयागराज, बुधवार 04 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प के 2 साल के कामकाज हिसाब- दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत दांव पर, हारे तो पावरलेस राष्ट्रपति बन जाएंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में आज मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग होगी। भारतीय समय के मुताबिक शाम 4:30 बजे मतदान शुरू होगा। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों और उच्च सदन सीनेट की 35 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के ठीक दो साल बाद मिडटर्म चुनाव कराए जाते हैं। इसमें संसद की सीटों और कुछ राज्यों में गवर्नर के पदों के लिए मतदान होता है। फिलहाल ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। अगर पार्टी इनमें से किसी एक सदन में भी बहुमत खो देती है, तो ट्रम्प के लिए अपने एजेंडे से जुड़े कानून पास कराना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकी संसद में बहुमत का गणितः-अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने के लिए अलग-अलग सीटों की जरूरत होती है। सीनेट में बहुमत के लिए 51 सीटें जरूरीः-सीनेट में कुल 100 सीटें हैं। अभी रिपब्लिकन पार्टी के पास 53 सीटें हैं, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के पास



45 हैं। इसके अलावा 2 निर्दलीय सांसद हैं, जो डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करते हैं। इस तरह दोनों पक्षों के बीच सीटों का अनुपात 53-47 है। बहुमत के लिए 51 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। हालांकि, अगर दोनों पार्टियों के पास 50-50 सीटें होती हैं तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस निर्णायक वोट दे सकते हैं। इस बार सीनेट की 35 सीटों पर चुनाव होना है। इनमें 22 सीटें रिपब्लिकन और 13 सीटें डेमोक्रेटिक पार्टी के पास हैं। डेमोक्रेट्स को बहुमत हासिल करने के लिए कम से कम 4 सीटों का शुद्ध फायदा उठाना होगा। हाउस में बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरीः-अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में कुल 435 सीटें हैं। यहां बहुमत के लिए 218 सीटों की जरूरत होती है। इस बार हाउस की सभी 435 सीटों पर चुनाव होना है यानी हर सीट पर मुकाबला होगा। जिस पार्टी को 218 या उससे ज्यादा सीटें मिलेंगी, वह सदन में बहुमत हासिल कर लेगी। इस तरह मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को दोनों सदनों में अपना बहुमत बचाना होगा, जबकि डेमोक्रेट्स की कोशिश दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने की होगी। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में 4 बड़े मुद्देः-1. ईरान युद्ध और महंगाईः-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका में डीजल 70फीसदी और पेट्रोल 50फीसदी तक महंगा हुआ है। ट्रम्प की अप्रूवल रेटिंग गिरकर 31फीसदी पर आ गई है। ईंधन की बढ़ती कीमतें मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के लिए चुनौती हैं। रूस से 3 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा डीजल खरीदने के फैसले पर भी ट्रम्प की आलोचना हो रही है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

सहारा रेगिस्तान में मिला पत्थर मंगल ग्रह का निकला,800 ग्राम के पत्थर में मिले पानी के निशान, 4.1 अरब साल पुरानी है

न्यूयॉर्क। सहारा रेगिस्तान में 2022 में मिला करीब 800 ग्राम का गुलाबी रंग का पत्थर मंगल ग्रह का निकला है। नासा की मदद से हुई रिसर्च में इसकी पुष्टि हुई है। जांच में पता चला कि यह चट्टान 4.1 अरब साल से भी ज्यादा पुरानी है। इसमें ऐसे खनिज मिले हैं, जो बताते हैं कि मंगल के शुरुआती दौर में उसकी चट्टानों के संपर्क में पानी आया था। यह खोज मंगल के पुराने वातावरण को समझने में मदद कर सकती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, उस समय मंगल आज की तरह ठंडा और सूखा नहीं था। मंगल की चट्टान होने की पुष्टि कैसे हुई? इस चट्टान को 'तेघाजा 001' नाम दिया गया है। यह माली के तेघाजा नमक मैदान में मिली थी। शुरुआत में वैज्ञानिकों को यह पता नहीं था कि यह पत्थर कहां से आया है। इसकी पहचान करने के लिए वैज्ञानिकों ने इसमें मौजूद ऑक्सीजन के आइसोटोप की जांच की। आइसोटोप एक ही तत्व के अलग-अलग रूप होते हैं। अलग-अलग ग्रहों की चट्टानों में इनका अनुपात अलग हो सकता है। जांच में इस पत्थर के



आइसोटोप मंगल की चट्टानों से मेल खाते मिले। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इसकी बनावट और खनिजों की जांच की। इसमें जिरकॉन नाम के छोटे क्रिस्टल मिले। इन क्रिस्टल की मदद से वैज्ञानिकों ने चट्टान की उम्र का पता लगाया। चट्टान में पानी के संकेत क्यों अहम हैं?चट्टान में मिले खनिज और उनकी बनावट बताते हैं कि मंगल पर कभी पानी मौजूद था। पानी के संपर्क में आने से चट्टान के कुछ खनिजों में बदलाव हुआ था। यह जानकारी इसलिए अहम है, क्योंकि इससे वैज्ञानिक समझ सकते हैं कि शुरुआती मंगल का वातावरण कैसा था और वहां पानी की मौजूदगी कितनी थी। इससे यह जानने में भी मदद मिल सकती है कि समय के साथ मंगल पर पानी कैसे कम हुआ। हालांकि, पानी के संकेत मिलने का मतलब यह नहीं है कि मंगल पर कभी जीवन भी था। इसके लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है। मंगल पर कहां से आई थी यह चट्टान? वैज्ञानिकों ने मंगल की परिक्रमा कर रहे ऑर्बिटर से मिले आंकड़ों की तुलना इस चट्टान के खनिजों और रासायनिक संरचना से की। इसके आधार पर मंगल पर 13 ऐसी जगहों की पहचान हुई, जहां से यह चट्टान आ सकती है। इनमें से कई जगहें मंगल के दक्षिणी हिस्से में मौजूद ऊंचे और गड्ढों वाले इलाके में हैं। हालांकि, इसकी सही जगह की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मंगल से धरती तक कैसे पहुंचा यह उल्कापिंड? वैज्ञानिकों के मुताबिक, मंगल की सतह पर किसी बड़े अंतरिक्षीय पिंड के टकराने से वहां की चट्टान का एक टुकड़ा अंतरिक्ष में उछला होगा। लंबे सफर के बाद यह टुकड़ा धरती तक पहुंचा और सहारा रेगिस्तान में मिला। अंतरिक्ष से धरती पर गिरने वाले ऐसे ठोस पिंडों को उल्कापिंड कहते हैं। ये अक्सर रेगिस्तान और बर्फीले इलाकों में मिलते हैं।

जंगलों की आग ने ख़राब किये 3 देशों के रिश्ते, इंडोनेशिया के जहरीले धुएं से मलेशिया-सिंगापुर परेशान, विरोध करने पर गैस सप्लाई घटाई

जकार्ता। इंडोनेशिया के जंगलों में लगी आग का धुआं पड़ोसी देशों मलेशिया और सिंगापुर के लिए मुसीबत बन गया है। कालिमंतान, पापुआ और सुमात्रा के जंगलों से उठ रहा जहरीला धुआं हवा के साथ इन देशों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं। मलेशिया के कुछ इलाकों में स्कूल बंद करने पड़े हैं। धुआं कई हफ्तों से बना हुआ है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। मलेशिया में लोगों ने इंडोनेशिया के उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया है, जबकि सिंगापुर ने आग से जुड़ी कंपनियों की जांच शुरू की है। इस बीच इंडोनेशिया ने सिंगापुर को गैस का निर्यात घटाने का ऐलान किया है। उसने इसकी वजह अपने देश की ऊर्जा जरूरतों को बताया है। खेती के लिए जंगलों में लगाई जाती है आगः-इंडोनेशिया में जंगलों में आग लगने की घटनाएं हर साल होती हैं। इसकी बड़ी वजह खेती और कारोबार के लिए जंगलों को साफ करना है। खासतौर पर पाम ऑयल की खेती के लिए बड़े इलाकों में जमीन तैयार की जाती



है। इसके लिए कई जगह जंगलों में आग लगाई जाती है। आग जमीन के नीचे मौजूद पीटलैंड तक फैल जाए तो इसे बुझाना और मुश्किल हो जाता है। पीटलैंड में मौजूद सूखे जैविक पदार्थ आग को लंबे समय तक सुलगाए रखते हैं। इस साल अल नीनो के कारण इंडोनेशिया के जंगलों और पीटलैंड में सूखे की स्थिति ज्यादा गंभीर रही। इससे आग तेजी से फैली और उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। आमतौर पर इस तरह के धुएं का असर मलेशिया और सिंगापुर में कुछ दिनों तक रहता है, लेकिन इस बार यह कई हफ्तों से बना हुआ है। मलेशिया में बहिष्कार, सिंगापुर में सरकार की आलोचनाः-धुएं से परेशान मलेशिया के लोगों ने इंडोनेशिया के उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया है।

मलेशियाई सांसद सैयद सादिक ने आग से जुड़ी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने लोगों से ऐसी कंपनियों को क्षेत्र में अलग-थलग करने की अपील भी की। सिंगापुर सरकार ने धुएं से लोगों को बचाने के लिए सैकड़ों राहत केंद्र बनाए हैं।

बच्चों, बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे लोगों को मास्क बांटे जा रहे हैं। सरकार धुएं से जुड़े मौजूदा कानूनों को सख्त करने पर भी विचार कर रही है। हालांकि सिंगापुर में लोगों ने अपनी सरकार की तैयारियों पर सवाल उठाए हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

वोटिंग से कुछ घंटो पहले अमेरिका का ईरान पर हमला किये 5 धमाके- ईरान ने दो अमेरिकी जासूसी ड्रोन गिराने का दावा किया

तेहरान। अमेरिका में मंगलवार को मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। इससे पहले सोमवार को ईरान के केश्म द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाके हुए। कुछ दूर पर बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट की खबर है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि यह हमला अमेरिका ने किया है। हालांकि, ईरानी मीडिया ने इसके पीछे अमेरिका या इजराइल का हाथ होने की पुष्टि नहीं की है। उसने अमेरिका के दो एमक्यूएम-170 जासूसी ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। अमेरिका के निशाने पर क्यों है केश्म द्वीप? केश्म द्वीप करीब 1,445 वर्ग किलोमीटर में फैला, ईरान का सबसे बड़ा द्वीप है। यह कभी फ्री-ट्रेड जोन और टूरिस्ट स्पॉट के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह एक बड़े सैन्य ठिकाने में बदल चुका है। होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर मौजूद यह द्वीप रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। अमेरिका इसे कई वजहों से बड़ा सैन्य खतरा मानता है। अंडरग्राउंड सैन्य



नेटवर्कः रिपोर्ट्स के मुताबिक, केश्म द्वीप के नीचे सुरंगों और नमक की गुफाओं का बड़ा नेटवर्क है। यहां ईरान ने तटीय मिसाइल सिस्टम और तेज हमला करने वाली नौकाएं छिपाकर रखी हैं। समुद्री रास्तों पर नियंत्रण के लिए अहमः द्वीप के अंदर ईरान ने ऐसे सैन्य ठिकाने बनाए हैं, जिनका मकसद समुद्री रास्तों पर नियंत्रण रखना है। माना जाता है कि यहां से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही रोकी या सीमित की जा सकती है। दुनिया की तेल सप्लाई पर असरः होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल और गैस समुद्री रास्तों में से एक है। अमेरिका के मुताबिक, ईरान ने केश्म द्वीप का इस्तेमाल तेल टैंकरों की आवाजाही रोकने या दबाव बनाने के लिए किया है। ट्रम्प बोले- ईरान जल्द समझौता करना चाहता हैः-इससे पहले सोमवार को ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका फिलहाल ईरान पर दोबारा हमला करने की तैयारी नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा था कि तेहरान के साथ समझौता हो सकता है। पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे मंगलवार को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर हमला करने पर विचार कर रहे हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया- 'नहीं।' ट्रम्प ने ईरान के साथ समझौते की भी उम्मीद जताई।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

भारत विरोधी राजनीति पर राष्ट्रपति मुइज्जू को चेतावनी देने के बाद अब मालदीव के विपक्षी नेता अब्दुल्ला शाहिद गिरफ्तार,नाबालिग से यौन शोषण का हैं आरोप

माले। मालदीव के विपक्षी नेता अब्दुल्ला शाहिद को नाबालिग से यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के प्रमुख हैं। 64 साल के शाहिद को सोमवार रात 10 बजे राजधानी माले में अदालत के वारंट पर हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कहा कि शाहिद पर 18 साल से कम उम्र के एक नाबालिग के यौन शोषण का आरोप है। गिरफ्तारी से पहले कहा- अफवाह न फैलाएंः-गिरफ्तारी से कुछ समय पहले शाहिद ने सोशल मीडिया पर लोगों से उनके बारे में झूठ न फैलाने की अपील की थी। उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे आरोपों को मानहानिकारक बताया था। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हुलहुमाले स्थित शाहिद के घर के बाहर कई पुलिसकर्मी तैनात रहे। यहीं से उन्हें हिरासत में लिया गया। रिमांड और हिरासत को लेकर आगे कोर्ट की कार्यवाही होने की उम्मीद है। मालदीव पुलिस ने धिवेही भाषा में जारी बयान में गिरफ्तारी की जानकारी दी। पुलिस ने मामले से जुड़ी दूसरी जानकारियां नहीं दी हैं। उसने सिर्फ इतना बताया कि जांच जारी है। भारत विरोधी राजनीति को लेकर मुइज्जू को चेताया थाः-शाहिद की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की विदेश नीति को लेकर राजनीतिक बहस तेज है। खासकर पाकिस्तान के साथ उनके बढ़ते संपर्क और भारत के साथ संबंधों पर इसके संभावित असर को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। शाहिद ने हाल ही में मुइज्जू के पाकिस्तान से बढ़ते संपर्कों की आलोचना की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मालदीव के राष्ट्रपति 2023 में सत्ता तक पहुंचने के लिए चलाए गए भारत विरोधी अभियान को फिर से शुरू कर सकते हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

चीनी इक्विपमेंट रोककर दुनिया पर बना रहा दबाव, भारत को सुरंग मशीनें मिलने में दिक्कत, अमेरिका की एआई-चिप इंडस्ट्री पर भी असर

नयी दिल्ली। दुनिया में कुछ मशीनें इतनी बड़ी होती हैं कि उनकी लंबाई फुटबॉल मैदान के बराबर होती है। इनका इस्तेमाल पहाड़ों में सुरंग बनाने के लिए



किया जाता है। स्टील से बनी इन मशीनों के आगे बड़े-बड़े ब्लेड लगे होते हैं, जो चट्टानों को काटकर रास्ता बनाते हैं। इन्हें टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) कहते हैं। दुनिया में गिनी-चुनी कंपनियां ही ये मशीनें बनाती हैं। इनमें से ज्यादातर की फैक्ट्रियां चीन में हैं। भारत भी हिमालय में सुरंग बनाने के लिए इनका इस्तेमाल करता है। इनसे सेना को चीन से लगी सीमा तक जल्दी पहुंचने में मदद मिलती है। लेकिन अब भारत के लिए ये मशीनें खरीदना मुश्किल हो सकता है। चीन तय कर सकता है कि उसकी फैक्ट्रियों में बनी मशीनें भारत को बेची जाएंगी या नहीं। दरअसल, चीन अपनी फैक्ट्रियों और प्रयोगशालाओं में तैयार होने वाली चीजों के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। पिछले एक महीने में उसने ड्रोन, एआई मॉडल और एजेंट, नई दवाएं बनाने की तकनीक और सोलर पैनल बनाने की कुछ प्रक्रियाओं पर निर्यात प्रतिबंध लगाए हैं या उन्हें अपने नियंत्रण में लेने के कदम उठाए हैं। इसका असर भारत के अलावा अमेरिका और दूसरे देशों पर भी पड़ सकता है। चीन के नए नियमों से सोलर उपकरण बनाने वाली फैक्ट्रियां लगाना मुश्किल हो सकता है। साथ ही, दूसरे देशों के लिए चीन के नए और ताकतवर एआई मॉडल तक पहुंचना भी कठिन हो सकता है। दुनिया को चीन पर निर्भर रखना चाहते हैं जिनपिंगः-चीन के इन कदमों के पीछे बड़ी रणनीति है। वह चाहता है कि दूसरे देश उसकी फैक्ट्रियों और तकनीक पर निर्भर रहें, ताकि कोई देश उससे व्यापार या तकनीक का रिश्ता तोड़े तो उसे भी नुकसान उठाना पड़े।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

7 यूरोपियन देशों के सुपरमार्केट पर साइबर अटैक,फ्रिज-फ्रीजर का तापमान 70डिग्री तक बढ़ाया,बड़ी मात्रा में खाना खराब

स्टॉकहोम। यूरोप के 7 देशों के सुपरमार्केट के फ्रिज और फ्रीजर पर साइबर अटैक हुआ



है। हैकर्स ने ऑनलाइन सिस्टम में सेंध लगाकर फ्रिज का तापमान बढ़ा दिया। इससे दुकानों में रखा दूध, मीट और दूसरी खाने-पीने की चीजें खराब हो गईं। बेल्जियम, स्वीडन, नीदरलैंड, एस्टोनिया, लक्जमबर्ग, फिनलैंड और आयरलैंड में ऐसे मामले सामने आए हैं। बेल्जियम में कुछ स्टोर के फ्रिज का तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यूरोन्यूज के मुताबिक, ये हमले रविवार रात से सोमवार सुबह के बीच हुए। इससे पहले 12 अक्टूबर को फ्रांस के सैकड़ों सुपरमार्केट पर भी इसी तरह का हमला हुआ था। बेल्जियम में लाखों यूरो का सामान खराबः-बेल्जियम में कई सुपरमार्केट के फ्रिज का तापमान 70 डिग्री तक पहुंच गया। इससे दुकानों में रखा खाना खराब हो गया और लाखों यूरो का सामान फेंकना पड़ा। बेल्जियम के अखबार 'ले सोइर' के मुताबिक, डेलहाइज के करीब 40, कैरेफोर के 15, इंटरमार्शे के 15 और स्पार के 5 स्टोर प्रभावित हुए। एक मीट कंपनी और मॉन्स शहर के पास मौजूद आइकिया स्टोर में भी फ्रिज सिस्टम पर असर पड़ा। बेल्जियम के साइबर सिक्योरिटी सेंटर ने हमले की पुष्टि की है। डेलहाइज के प्रवक्ता ने बताया कि कई स्टोर के फ्रिज सिस्टम में गड़बड़ी मिली थी। कंपनी ने तुरंत जरूरी कदम उठाए, ताकि दुकानें खुली रह सकें। कैरेफोर ने भी साइबर अटैक की पुष्टि की, लेकिन कहा कि नुकसान ज्यादा नहीं हुआ। आयरलैंड की सुपरमार्केट चेन सुपरवैल्यू के 223 स्टोर में से 13 के फ्रिज सिस्टम पर हमला हुआ। कंपनी ने इन फ्रिज में रखा ठंडा और जमा हुआ खाना बिक्री से हटा दिया। स्वीडन में आईसीए और कूप सुपरमार्केट के स्टोर भी प्रभावित हुए। वहां रात में फ्रीजर का तापमान तेजी से बढ़ गया। स्टॉकहोम के एक आईसीए स्टोर की मैनेजर ने बताया कि हमला रात करीब 2 बजे हुआ। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

दावा- अमेरिकी चुनाव में दखल दे रहीं भारतीय कंपनियां,फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट से प्रचार

पैसे लेकर विरोधी नेताओं की छवि खराब कर रहे

नई दिल्ली। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में भारतीय कंसल्टेंट कंपनियों और कंटेंट क्रिएटर्स पर सोशल मीडिया के जरिए उम्मीदवारों का प्रचार करने का आरोप है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ये लोग पैसे लेकर फर्जी अकाउंट बनाते हैं और उनसे अपने उम्मीदवार के समर्थन में पोस्ट और वीडियो शेयर करते हैं। विरोधी नेताओं के भाषणों को काट-छांटकर गलत तरीके से पेश करते हैं और उनके खिलाफ झूठे दावे फैलाते हैं। यह काम सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। भारतीय कंसल्टेंट्स अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और पड़ोसी देशों के चुनावों में भी काम कर रहे हैं। अमेरिकी उम्मीदवार के समर्थन में 28 फर्जी अकाउंट मिलेः-अमेरिका के मिशिगन में डेमोक्रेटिक पार्टी की सीनेट प्राइमरी में हेली स्टीवंस के समर्थन में एक्स पर कम से कम 28 अकाउंट से वीडियो शेयर किए गए। इन वीडियो को 70 लाख से ज्यादा बार देखा गया। अल जजीरा के मुताबिक, इनमें से कम से कम 15 अकाउंट भारत से पोस्ट कर रहे थे। ऑनलाइन दुष्प्रचार पर नजर रखने वाले समूह एंटीबॉट4नवाल्नी ने इन अकाउंट्स की पहचान की थी। क्लेमसन यूनिवर्सिटी के मीडिया फॉरेंसिक हब के शोधकर्ताओं ने भी स्टीवंस के समर्थन में भारतीय अकाउंट्स और पेजों के इस्तेमाल की पुष्टि की। हालांकि, स्टीवंस यह प्राइमरी चुनाव हार गई थीं। उन्हें अब्दुल एल-सैयद ने हराया था। केन्या के चुनाव में रोज 600 रुपए



लेकर बनाए पोस्टः-अल जजीरा के मुताबिक, अहमदाबाद के 22 साल के कंटेंट क्रिएटर राजन कुमार ने 2022 में केन्या के राष्ट्रपति चुनाव में विलियम रुटो के समर्थन में 50 पोस्ट बनाए थे। इसके लिए उसे रोज 7 डॉलर (करीब 600 रुपए) मिलते थे। राजन विरोधी नेताओं के भाषणों को काट-छांटकर गलत तरीके से पेश करता था। रुटो के पक्ष में झूठे दावों वाले पोस्टर बनाता और महिला नेताओं की छवि खराब करने के लिए उनके निजी संबंधों पर सवाल उठाने वाली बातें फैलाता था। उसे कुछ दिनों में 100 तक पोस्टर और वीडियो बनाने होते थे। यह काम टेलीग्राम ग्रुप के जरिए चलता था। पोस्ट रुटो के आधिकारिक अकाउंट के बजाय दूसरे सोशल मीडिया पेजों से शेयर किए जाते थे। रुटो ने यह चुनाव जीतकर राष्ट्रपति पद संभाला था। फर्जी अकाउंट और वीपीएन से छिपाते हैं पहचानः-अल जजीरा के मुताबिक, भारतीय कंसल्टेंसी कंपनियां चुनावी प्रचार के लिए पुराने सोशल मीडिया पेज खरीदती हैं, नए अकाउंट बनाती हैं या पुराने पेजों का नाम बदलकर उनका इस्तेमाल करती हैं। इन पेजों से ऐसे पोस्ट और वीडियो शेयर किए जाते हैं, जिन्हें उम्मीदवार की आधिकारिक टीम अपने अकाउंट से पोस्ट नहीं करना चाहती। मेटा और गूगल के नियमों के मुताबिक, राजनीतिक विज्ञापन देने वालों को अपनी पहचान और विज्ञापन के लिए पैसा देने वाले व्यक्ति या संगठन की जानकारी देनी होती है। मेटा फर्जी पहचान से अकाउंट चलाने और अकाउंट खरीदने-बेचने पर भी रोक लगाता है। हालांकि, भारतीय कंसल्टेंट्स ने अल जजीरा को बताया कि इन नियमों से बचने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे भारत में बैठकर किसी दूसरे देश की लोकेशन दिखाते हुए वहां के लोगों तक राजनीतिक विज्ञापन पहुंचाए जा सकते हैं। हवाला और विदेशी कंपनियों से भेजा जाता है पैसाः-अल जजीरा के मुताबिक, इन चुनावी अभियानों के लिए मिलने वाले पैसे का लेन-देन भी छिपाकर किया जाता है। कुछ कंसल्टेंट्स ने बताया कि विदेशी कंपनियों के जरिए कागजों पर किसी व्यक्ति को दूसरे काम के लिए नौकरी पर रखा जाता है, लेकिन असल में उसे चुनावी प्रचार का पैसा दिया जाता है।

कई कंसल्टेंसी कंपनियां हवाला के जरिए भी रकम भेजती हैं। इसमें बैंक के बजाय अलग-अलग जगहों पर बैठे एजेंटों के जरिए पैसा पहुंचाया जाता है। तीन कंसल्टेंट्स ने दिल्ली के चांदनी चौक के कुछ कारोबारियों को ऐसे लेन-देन का ठिकाना बताया।

एक कंसल्टेंट ने अल जजीरा को बताया कि उसने 10 रुपए के नोट के खास सीरियल नंबर के जरिए लाखों रुपए का भुगतान होते देखा था। जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और पड़ोसी देशों में भी काम कर रहेः-अल जजीरा के मुताबिक, भारतीय राजनीतिक कंसल्टेंट्स अमेरिका और अफ्रीका के अलावा जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल और श्रीलंका में भी चुनावी अभियानों से जुड़े रहे हैं।

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा अपराध एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा हेतु अपराध गोष्ठी आयोजित, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जनसुनवाई एवं शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के निस्तारण, यातायात व्यवस्था, आगामी दीपावली पर्व की सुरक्षा तथा



पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर। दिनांक 02.11.2026 को पुलिस आयुक्त,कमिश्नरेट प्रयागराज की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित त्रिवेणी सभागार में अपराध एवं कानून-व्यवस्था के संबंध में अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में कमिश्नरेट प्रयागराज की कानून-व्यवस्था,अपराध नियंत्रण,जनसुनवाई,लंबित विवेचनाओं,यातायात प्रबंधन,तकनीकी पुलिसिंग एवं आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान पुलिस आयुक्त द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों,सहायक पुलिस आयुक्तों,थाना प्रभारियों एवं विभिन्न शाखा प्रभारियों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए- 1. जनसुनवाई एवं फरियादियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण- थानों एवं पुलिस कार्यालयों में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुनते हुए उनका यथासंभव त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।फरियादियों के साथ सौम्य, शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार किया जाए। प्राप्त प्रार्थना-पत्रों को संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस प्रकार आवंटित किया जाए कि उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो सके। सहायक पुलिस आयुक्तों द्वारा प्रार्थना-पत्रों की जांच के उपरांत शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर वार्ता कर निस्तारण की गुणवत्ता एवं संतुष्टि का सत्यापन किया जाए। 2. आईजीआरएस एवं जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर,आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की औपचारिकता अथवा लापरवाही न बरती जाए। संबंधित अधिकारी शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें। 3. घटनाओं पर त्वरित पुलिस रिस्पॉन्स एवं प्रभावी अपराध नियंत्रणः-किसी भी घटना की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय पुलिसिंग, प्रभावी गश्त एवं सतर्क निगरानी बनाए रखें। लंबित आपराधिक घटनाओं के शीघ्र अनावरण हेतु ठोस प्रयास किए जाएं। गुमशुदा बच्चों की तलाश को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता एवं गंभीरता से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। 4. लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारणः-लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से 60 एवं 90 दिवस की समय-सीमा से संबंधित विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विवेचनाओं में साक्ष्य संकलन, विधिक प्रक्रियाओं के अनुपालन एवं प्रभावी पर्यवेक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। संबंधित पर्यवेक्षण अधिकारी विवेचनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करें। 5. ई-साक्ष्य एवं ई-समन प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयनः-विवेचनाओं में डिजिटल साक्ष्यों के संकलन एवं रिकॉर्डिंग हेतु ई-साक्ष्य प्रणाली का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।ई-साक्ष्य से संबंधित आवश्यक फीडिंग एवं डिजिटल प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। ई-समन प्रणाली के माध्यम से प्राप्त समन की त्वरित तामील एवं संबंधित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। तकनीकी माध्यमों के प्रभावी उपयोग से पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं दक्ष बनाया जाए।6. साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर हेल्प डेस्क की सक्रियताः-थानों पर स्थापित साइबर हेल्प डेस्क के कार्यों को प्रभावी एवं सक्रिय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों पर तत्परता से आवश्यक कार्रवाई की जाए। साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्तियों को समय से आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। 7. यातायात व्यवस्था को सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देशः-कमिश्नरेट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं प्रभावी बनाया जाए। बाजारों, प्रमुख मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात अवरोध उत्पन्न करने वाली गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। कार एसेसरीज की दुकानों, गैराज एवं मैकेनिकों द्वारा सड़क पर कार्य किए जाने से उत्पन्न यातायात अवरोध को रोकने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आईसीसीसी के माध्यम से यातायात एवं वाहनों की निगरानी कर यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। खतरनाक एवं लापरवाहीपूर्ण ढंग से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। 8. आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधनः-आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का प्रभावी पर्यवेक्षण करें। पटाखों की दुकानों एवं भंडारण स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।सार्वजनिक मार्गों एवं सड़कों पर पटाखे चलाने से उत्पन्न होने वाले जोखिम तथा यातायात अवरोध को रोकने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। पर्व के दौरान बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आमजन की सुरक्षा तथा निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। 9. ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण एवं निर्धारित मानकों का अनुपालनः-डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग में निर्धारित ध्वनि सीमा का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। निर्धारित मानकों से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले उपकरणों के प्रयोग पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। संबंधित थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में प्रभावी निगरानी रखकर ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं। 10. थाना प्रबंधन, पर्यवेक्षण एवं पुलिस कार्यप्रणाली में सुधारः-समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नियमित भ्रमण एवं अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के कार्यों का प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें। थानों की साफ-सफाई एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। सहायक पुलिस आयुक्त थाना स्तर पर कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पुलिस कार्यप्रणाली में जवाबदेही, संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए। उक्त गोष्ठी में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था, पुलिस उपायुक्त नगर/गंगानगर/यमुनानगर,पुलिस उपायुक्त मुख्यालय/यातायात/अपराध, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात,समस्त सहायक पुलिस आयुक्त, ऑनलाइन हाइब्रिड माध्यम से समस्त प्रभारी निरीक्षक/थाना प्रभारी,समस्त इकाइयों/शाखाओं के प्रभारी तथा अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति के साथ ही सात रेलकर्मियों को मिली पदोन्नति, 15 कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सौंपे भुगतान संबंधी प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। सोमवार को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान और कार्यरत कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के उद्देश्य से समापक भुगतान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के रिक्त पदों के सापेक्ष सात पात्र कार्यरत रेल कर्मचारियों को तत्काल पदोन्नति का तोहफा दिया गया। पदोन्नति आदेश मिलते ही संबंधित कर्मचारियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने रेलवे प्रशासन के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित बहुउद्देशीय हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राजेश कुमार गुप्ता ने सात पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति आदेश प्रदान किए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्थान पर रिक्त हुए पदों के विरुद्ध की गई इस त्वरित कार्रवाई से कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सका। कार्यक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के सम्मान और विदाई से जुड़ा रहा। इस अवसर पर कुल 15 रेल कर्मचारियों को उनकी लंबी सेवाओं के उपरांत भावभीनी विदाई दी गई। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समापक भुगतान से संबंधित आवश्यक प्रपत्र एवं सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र सौंपे। साथ ही रेलवे के प्रति उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और वर्षों के अतुलनीय योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार जताया। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम ने एक ओर जहां वर्षों तक रेलवे की सेवा करने वाले कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी, वहीं दूसरी ओर पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों के लिए नई जिम्मेदारियों और बेहतर कार्य अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त किया। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सहित मंडल के अन्य अधिकारी, रेलवे यूनियन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी श्री हिमांशु राव ने मीडिया को दी।



'ब्रिक्स सतत जीवन शैली सप्ताह'-ऊर्जा बचत का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचएम श्री महेंद्र सिंह के नेतृत्व में दिनांक 1 से 7 नवंबर 2026 तक 'ब्रिक्स सतत जीवन शैली सप्ताह' मनाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत आज 'सेव एनर्जी' थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। मण्डल के गोरखपुर जं0, ऐशबाग जं0, लखनऊ जं0, बस्ती, खलीलाबाद और गोंडा जं0 स्टेशनों पर यात्रियों, कर्मचारियों, सफाई मित्रों और वेंडर्स को 'मिशन-लाइफ' शपथ दिलाई गई।

इस दौरान घरों और कार्यालयों में बिजली बचाने के मुख्य तरीकों, बिजली उपकरणों के मेंटेनेंस और सोलर एनर्जी के प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई। स्वास्थ्य निरीक्षकों और जूनियर इंजीनियरों ने कर्मचारियों को ऊर्जा बचत के महत्व के बारे में बताया।

इसके बाद, कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने स्टेशन परिसर में यात्रियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर, बैनर, पंपलेट और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से रैली निकाली।

इससे पूर्व दिनांक 01.11.2026 को इस अभियान के तहत रेल कर्मचारियों, उनके परिवारों और यात्रियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके अन्तर्गत लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा, ऐशबाग, बस्ती, खलीलाबाद और बहराइच जैसे प्रमुख स्टेशनों पर योग सत्र, जागरूकता रैलियां और स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए।

स्टेशन पर घोषणाओं और जागरूकता सामग्री के वितरण के माध्यम से यात्रियों को स्वस्थ खानपान, नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन के महत्व के बारे में बताया गया।

मंडल के रेलवे चिकित्सालयों में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविरों में कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा सलाह दी गई। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।



संसाधनों के बिना संचालित हो रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बारा तहसील क्षेत्र में मानकों और पर्याप्त संसाधनों के बिना संचालित हो रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। शिवराजपुर और शंकरगढ़ इलाके में जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर प्रज्ञा नर्सिंग होम और कौशल्या देवी नर्सिंग होम को सीज कर दिया गया। इसके साथ ही संबंधित मेडिकल स्टोरों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। एसडीएम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अर्पित कुमार के नेतृत्व में हुई जांच के बाद दोनों नर्सिंग होम के प्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से बारा तहसील क्षेत्र के निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

अधिकारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितता और नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ जांच और कार्रवाई जारी रहेगी।





जोन गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज-थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा दिनांक-03.11.2026 को मा0 न्यायालय जे0एम0 कक्ष सं0-03 इलाहाबाद द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बन्धित मु0नं0-149/16 धारा-3/5 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त राम कुमार पुत्र श्रीनाथ निवासी ग्राम जूडापुर बीहर थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम जूडापुर बीहर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्त का विवरण- राम कुमार पुत्र श्रीनाथ निवासी ग्राम जूडापुर बीहर थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज।सम्बन्धित वारण्ट का विवरण-

मु0नं0-149/16 धारा-3/5 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम मा0 न्यायालय जे0एम0 कक्ष सं0-03 इलाहाबाद। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. व0उ0नि0 वीरेन्द्र प्रताप सिंह, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. उ0नि0 राकेश कुमार गोंड, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज।



दिव्यांग रेलकर्मियों की राह हुई आसान,23 कर्मचारियों को डीआरएम ने सौंपी कस्टमाइज्ड स्कूटी-कर्मचारी कल्याण निधि से मिली विशेष सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ।सोमवार को दिव्यांग रेल कर्मचारियों की मुश्किलें कम करने और उनके दैनिक आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल प्रशासन ने सराहनीय पहल की है। कर्मचारी कल्याण निधि से स्वीकृत योजना के तहत मंडल में कार्यरत 23 दिव्यांग रेल कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर कस्टमाइज्ड वाहन (स्कूटी) वितरित किए गए। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने अपने कर कमलों से सभी लाभार्थी कर्मचारियों को कस्टमाइज्ड स्कूटी की चाबियां सौंपीं। रेल प्रशासन की इस पहल से कर्मचारियों को ड्यूटी पर आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही कार्यस्थल पर उनकी आवाजाही भी पहले से अधिक आसान होगी। इस योजना के तहत सुरेन्द्र कुमार, सफाईवाला/क्रू लॉबी/गोरखपुर, शमीम अहमद, जूनियर क्लर्क/सी.से.ई./वेस्ट/बहराइच, अब्दुल कादिर अली, मुख्य वाणिज्य क्लर्क/सहजनवां, राजेश कुमार रावत, कार्याधी/विद्युत/मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मो. बबलू, टेक्नीशियन-III/लोको शेड/गोंडा, सुमेर कुमार, चौकीदार/सी.से.ई./पीवे/बस्ती, जय प्रकाश पासवान, टीटीआई/गोंडा, बृजेश



सिंह, प्रवर टेक्नीशियन/कैरेज एंड वैगन/गोरखपुर, नत्थू लाल, कुक/डीजल लॉबी/मैलानी, शिवाराम, सीसीटीसी/स्टेशन अधीक्षक कार्यालय/लखीमपुर, शिवम चौरसिया, सहायक/सी.से.ई./टीआरडी/बलरामपुर, विजय कुमार, कार्याधी/कार्मिक/मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मनोज कुमार मौर्य, प्रवर टेक्नीशियन/सी.से.ई./विद्युत/एसी/गोमतीनगर तथा ओमकार, टेक्नीशियन-ध्ध्/कैरेज एंड वैगन/गोरखपुर को स्कूटी प्रदान की गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि कस्टमाइज्ड वाहन की सुविधा मिलने से दिव्यांग कर्मचारियों को ड्यूटी पर आने-जाने के साथ ही कार्यस्थल पर आवागमन में भी काफी आसानी होगी। इससे उनकी दैनिक गतिविधियां सुगम होंगी और मनोबल भी बढ़ेगा। रेल प्रशासन का प्रयास है कि कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके कार्य और जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया जाए। स्कूटी प्राप्त करने वाले कर्मचारियों ने रेल प्रशासन के इस मानवीय एवं कल्याणकारी कदम के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से उन्हें रोजमर्रा के आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और अपने कार्यस्थल तक पहुंचना पहले से आसान होगा। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक कार्मिक अधिकारी एवं जनसंपर्क अधिकारी सहित विभिन्न रेलवे यूनियनों के पदाधिकारी तथा रेलकर्मी उपस्थित रहे। रेल प्रशासन ने भविष्य में भी कर्मचारी हित में इसी तरह के कल्याणकारी कदम उठाते रहने की प्रतिबद्धता जताई। इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

आइए,लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हो- सरदार पतविन्दर सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र



क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविन्दर सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र के विभिन्न समुदाय के लोगों से संपर्क कर करते हुए खासकर क्षेत्र में निवास करने वाले सभी सिख समाज के बंधुओं-कार्यकर्ताओं से सादर अनुरोध करते रहे कि लोकतंत्र की रक्षा एवं अराजकता के विरोध में आयोजित पदयात्रा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। परमजीत सिंह बग्गा ने कहा कि 4 नवंबर यानि आज प्रातः 11:00 बजे प्रयागराज में पत्थर गिरजाघर स्थित धरना स्थल से शहीद वॉल तक, प्रयागराज पदयात्रा का संकल्प, लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ! मनु चावला ने कहा कि आप सभी सम्मानित सिख समाज के बंधुओं से आग्रह है कि समय पर पहुँचकर पदयात्रा में सम्मिलित हों तथा अपनी सहभागिता से कार्यक्रम को सफल बनाएँ।आपकी उपस्थिति अनिवार्य है। जसविंदर सिंह नीटू ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा,संविधान की मर्यादा, कानून-व्यवस्था की मजबूती और अराजक तत्वों की गतिविधियों के विरुद्ध आयोजित जन धरना में सहभागिता दे आइए,लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु अपनी उपस्थिति से इस जन आवाज को और मजबूत बनाएं। आपकी उपस्थिति लोकतंत्र के पक्ष में एक मजबूत संदेश होगी। इस अवसर पर हरमनजी सिंह, कमलजीत सिंह, कुलदीप सिंह खालसा, इकबाल सिंह, परमिंदर सिंह बंटी, परमजीत सिंह बग्गा, मनु चावला, जसविंदर सिंह नीतू, सरदार पतविंदर सिंह सहित कई विशिष्ट गणमान्य नेता गण, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक,देशभक्ति उपस्थित रहे।

ई-ट्राईसाइकिल योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु दिव्यांग छात्राएं करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा



जनपद के किसी भी स्कूल/कालेज/विश्वविद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग छात्राएं जिनकी आयु 16 वर्ष या उससे अधिक है, के शैक्षणिक पुनर्वासन एवं सुगमतापूर्वक आवागमन हेतु ई-ट्राईसाइकिल प्रदान करने की योजना संचालित की गयी है। इस योजनान्तर्गत अधिकतम रू0 65,000/- प्रति ई-ट्राईसाइकिल अनुमन्य किया गया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री अशोक कुमार गौतम ने बताया है कि योजनान्तर्गत ऐसी दिव्यांग छात्राएं जो मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफिलिया आदि से प्रभावित हो, शारीरिक रूप से उनकी दृष्टि और मानसिक स्थिति अच्छी हो एवं कमर का ऊपरी भाग स्वस्थ हो, जो ई-ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम हो तथा जिसकी दिव्यांगता (दिव्यांग प्रमाण पत्र, यू0डी0आई0डी0 कार्ड) मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। इस योजनान्तर्गत ऐसी दिव्यांग छात्राएं या उनका परिवा आयकर दाता की श्रेणी में न आता हो। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को प्रथम वरीयता प्रदान की जायेगी। योजना का लाभ उन्हीं दिव्यांग छात्राओं को प्रदान किया जायेगा, जिन्हें विगत 05 वर्ष की अवधि में किसी भी स्रोत से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त नहीं हुई हो।

ई-ट्राईसाइकिल योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन ऑनलाइन पूर्ण किया जायेगा, जिसमें अन्य प्रपत्रों के साथ अध्ययरत होने का प्रमाण पत्र सम्बन्धित शिक्षण/प्रशिक्षण संस्थान से प्राप्त कर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। इच्छुक दिव्यांग छात्राएं/अभिभावक विकास भवन के कक्ष संख्या-13 स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, प्रयागराज के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग कराकर धान की उत्पादकता का किया आकलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। धान की पैदावार की



हकीकत देखने के लिए जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने सदर तहसील क्षेत्र के विकास



खण्ड राही की ग्राम राही में पहुंची। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल धान कटाई के 04 खेतों मे प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत चार खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 2239 में 31.600 किग्रा के हिसाब से 73 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 1916 में 16.100 किग्रा के हिसाब से 37 कुंतल/हेक्टेयर, गाटा संख्या 554 में 19.450 किग्रा के हिसाब से 45 कुंतल/हेक्टेयर एवं गाटा संख्या 2098 में 26.000 किग्रा के हिसाब से 60 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। बता दें कि क्रॉप कटिंग से फसलों की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक हरीलाल, लेखपाल अवनीश प्रताप सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

वृहद रोजगार मेले में डीएम ने चयनित अभ्यर्थियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

53 कंपनियों ने किया प्रतिभाग, 1153 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश रोजगार



मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली द्वारा आज फिरोज गांधी पॉलीटेक्निक कॉलेज, रतापुर, रायबरेली के परिसर में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में कुल 53 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 2382 अभ्यर्थियों ने रोजगार के लिए प्रतिभाग किया। विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के उपरांत लगभग 1153 अभ्यर्थियों का प्राथमिक रूप से चयन किया गया। शेष कुछ कंपनियों के चयन परिणाम अभी लंबित हैं। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका उपस्थित रहीं। उन्होंने मेले में आए नियोजकों एवं अभ्यर्थियों से संवाद कर रोजगार के अवसरों एवं चयन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया गया, कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता भी उपस्थित रही। इस अवसर पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास



अधिकारी अंजुलता ने उपस्थित रही। मेले में प्रमुख रूप से असाइन सर्विस प्रा0लि0, उमोजा मार्केट प्लेस टेक्नोलॉजी प्रा0लि0, महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विस, क्विक्स कॉर्पोरेशन प्रा0लि0, अमॉस स्किल वेंचर्स प्रा0लि0, जे0के0 टायर, अम्बर इंटरप्राइजेज, टाटा मोटर्स एवं सुजलॉन एनर्जी सहित 53 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग कर अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। कार्यक्रम के अंत में जिला सेवायोजन अधिकारी डॉ0 दिनकर कुमार एवं फिरोज गांधी पॉलीटेक्निक कॉलेज, रायबरेली के प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने मेले में उपस्थित अतिथियों, नियोजकों एवं अभ्यर्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के सर्वेश कुमार राय द्वारा किया गया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में फिरोज गांधी पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्रवक्ता सर्वेश कुमार कनौजिया, रेनू गौतम (प्रवक्ता, टी0पी0ओ0), अब्बास जाफरी (असिस्टेंट टी0पी0ओ0), कौशल विकास मिशन की वन्दना सिंह तथा जिला सेवायोजन कार्यालय के जितेन्द्र सिंह कनौजिया, गुलरेज सुंहेल, धीरेन्द्र सिंह, रामेन्द्र कुमार पाण्डेय, अश्वनी कुमार, मो0 जमीर, तनीषा श्रीवास्तव, सोनानी सोनकर, विजय कुमार, सुरेश चन्द्र, रामेन्द्र कुमार एवं महेन्द्र कुमार ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सोनभद्र की 684 अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को मिलेगी यूनिफार्म एवं साइकिल की सुविधा,जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पारदर्शिता के साथ पात्र छात्राओं का चयन करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जनजाति की



छात्राओं को यूनिफार्म एवं साइकिल योजना से लाभान्वित किए जाने के संबंध में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय चयन समिति एवं क्रय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने योजना के प्रावधानों, पात्रता मानकों एवं प्राप्त आवेदनों की स्थिति के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि शासनादेश के अनुसार योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र छात्रा को कुल रूपया 4,000 की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसमें यूनिफार्म हेतु रूपया 700 प्रति छात्रा की धनराशि छात्रा अथवा अभिभावक के बैंक खाते में भेजी जाएगी तथा साइकिल हेतु रूपया 3,300 प्रति छात्रा की दर से जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा आमंत्रित कर साइकिल क्रय की जाएगी। उन्होंने अवगत कराया कि योजना के तहत कक्षा-6 की 60 प्रतिशत तथा कक्षा-9 एवं कक्षा-11 की 20-20 प्रतिशत छात्राओं का चयन किया जाना निर्धारित है। पात्रता के लिए गत वर्ष की कक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत छात्राओं को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। साथ ही, अनावासीय छात्राओं को प्रत्येक पांच वर्ष के अंतराल पर एक लेडीज साइकिल उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। जिलाधिकारी ने बताया कि छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक अभिलेखों एवं बैंक खाते के विवरण का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों के स्तर से सत्यापन किए जाने के उपरांत कुल 1,635 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें कक्षा-6 से 410, कक्षा-9 से 764 तथा कक्षा-11 से 461 आवेदन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शासनादेश में निर्धारित चयन अनुपात के अनुसार कक्षा-6 की 410 छात्राओं के सापेक्ष कक्षा-9 की 137 एवं कक्षा-11 की 137 छात्राओं को सम्मिलित करते हुए कुल 684 पात्र छात्राओं का चयन प्रस्तावित है। चयनित सूची का जनपद स्तरीय चयन समिति से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत आवश्यक धनराशि के आवंटन हेतु मांग पत्र निदेशालय को प्रेषित किया जाएगा। निदेशालय से धनराशि प्राप्त होने के बाद जेम पोर्टल के माध्यम से साइकिल क्रय की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र छात्राओं के चयन में पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बरती जाए। सभी अभिलेखों एवं पात्रता संबंधी विवरणों का समुचित सत्यापन सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के अनुरूप चयन प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि कोई भी पात्र छात्रा योजना के लाभ से वंचित न रहे।

उन्होंने योजना से संबंधित समस्त कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जयराम सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मनोरंजन कर मद में सृजित बकाया मूलधन, ब्याज एवं अर्थदण्ड से सम्बन्धित समस्त बकाएदार ब्याज माफी योजना का लाभ लेने के लिए करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सहायक आयुक्त, राज्य कर/प्रभारी पूर्व मनोरंजन कर कृष्ण मुरारी मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मनोरंजन कर मद में सृजित बकाया मूलधन, ब्याज एवं अर्थदण्ड से सम्बन्धित समस्त बकाएदारों को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 30प्र0 राज्य कर ब्याज माफी योजना-2026 घोषित की गयी। शासनादेश में उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979 एवं तद्धीन निर्मित नियमावली तथा उत्तर प्रदेश केबिल टेलीविज़न नेटवर्क (प्रदर्शन) नियमावली-1997 में दिनांक 31 मार्च, 2025 तक निर्धारित समस्त आदेशान्तर्गत सृजित मांग पर लम्बित ब्याज माफी योजना-2026 लागू की गयी है, जिसके अन्तर्गत यह योजना शासनादेश जारी होने अर्थात 16.10.2026 से तीन माह के लिए प्रभावी होगी तथा रू0 10 लाख तक बकाया मूल धन की सम्पूर्ण जमा राशि पर ब्याज की शत-प्रतिशत धनराशि तथा मूल बकाया रू0 1 करोड़ होने पर ब्याज की 10 प्रतिशत राशि राजकोष में जमा करने के उपरांत 90 प्रतिशत ब्याज की राशि एवं रू0 5 करोड़ तक की मूल बकाया राशि पर ब्याज की 25 प्रतिशत राशि जमा होने पर 75 प्रतिशत की राशि माफ किया जाना प्रस्तावित है। यह योजना समस्त प्रकार की "मांग", चाहे वह स्वीकृत कर या आरोपित कर के संबंध में बकाया हो अथवा विभिन्न माननीय न्यायालयों से तय अथवा लम्बित वादों के संबंध में बकाया हो, के ब्याज एवं अर्थदण्ड के लिए लागू होगी। योजना उपर्युक्त उल्लिखित अधिनियमों के अन्तर्गत पारित प्रत्येक आदेश से सृजित मांग के लिए पृथक-पृथक मानी जायेगी। योजना के अन्तर्गत वे बकायेदार भी लाभ ले सकेंगे, जिनके द्वारा योजना लागू होने के पूर्व मूल बकाया धनराशि की पूर्ण एवं आंशिक धनराशि जमा की गयी हो। विभिन्न न्यायालयों में लम्बित मामलों के संदर्भ में बकायेदारों, माननीय न्यायालय में दाखिल वादों में NOT PRES APPLICATION का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर वाद को वापस लेने के संबंध में शपथ-पत्र प्रस्तुत करके योजना का लाभ ले सकेंगे। अर्थदण्ड का तात्पर्य केवल बकाया न जमा करने के कारण लगाये गये अर्थदण्ड से है, जिसपर योजना के अन्तर्गत पूर्ण माफी अनुन्य होगी, अन्य प्रकार के अर्थदण्ड की माफी का लाभ इस योजना के अन्तर्गत अनुमन्य नहीं है। इस योजना के अन्तर्गत ब्याज/अर्थदण्ड की गणना आवेदन की तिथि तक की जायेगी। इस योजना के लागू होने के पूर्व अथवा बाद में यदि किसी बकायेदार द्वारा देय मूलधन/ब्याज/ अर्थदण्ड से अधिक धनराशि जमा कर दी गयी है तो यह इस योजना के अन्तर्गत वापसी/ समायोजित नहीं की जायेगी। उक्त योजना हेतु विभागीय ऑनलाइन पोर्टल http://comtax.up.nic.in पर आवेदन करना होगा। योजना के अन्तर्गत बकाया मूलधन/ब्याज/अर्थदण्ड धनराशि आगणित कर धनराशि को ऑनलाइन जमा करने के पश्चात् ही ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा।

औद्योगिक परियोजनाओं के लंबित प्रकरणों का एक सप्ताह में निस्तारण करें संबंधित अधिकारी-जिलाधिकारी

ग्रीनको, जेएसडब्ल्यू, अवाडा, टोरेंट पावर एवं गैलेंट इस्पात परियोजनाओं की समस्याओं की हुई विस्तृत समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित



गौड़ की अध्यक्षता में जनपद की पी0एस0पी0 कंपनियों एवं गैलेंट इस्पात परियोजना से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं के संचालन एवं रॉबर्ट्सगंज/ओबरा तथा जिला उपजिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज को निर्देशित किया गया। वहीं, जे0एस0डब्ल्यू0 स्टेज-2 एवं एफ0आर0ए0 से संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा, उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशीष कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी ओबरा रवि कुमार पासवान, उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार चौधरी, उप प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सिंह सहित विभिन्न औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

42वीं वाहिनी पीएसी में सैनिक सम्मेलन एवं जोनल गोष्ठी का आयोजन, उत्कृष्ट सेवा पदक प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

सेनानायक आईपीएस राजेश कुमार श्रीवास्तव ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, बाढ़ राहत दल के सराहनीय कार्यों की भी हुई प्रशंसा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नैनी/प्रयागराज। 42वीं



वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज में सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) की उपस्थिति में सैनिक सम्मेलन एवं जोनल गोष्ठी का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ पीएसी गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर वाहिनी एवं विभिन्न दलों की जी शाखा में नियुक्त कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। सम्मेलन के दौरान वर्ष 2025 एवं 2026 में गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेनानायक द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं, बाढ़ राहत दल में नियुक्त कर्मियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी मुख्यालय लखनऊ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी कानपुर अनुभाग द्वारा प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। विगत माह में चयनित सर्वश्रेष्ठ दलनायक, गुल्मनायक, मुख्य आरक्षी एवं आरक्षियों के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर डीजी पीएसी के निर्देशन में पीएसी मुख्यालय से प्राप्त विभिन्न आदेशों एवं निर्देशों की जानकारी देते हुए ई-साक्ष्य मोबाइल ऐप के माध्यम से एसआईडी निर्माण, एफआईआर से लिंकिंग, सत्यापन एवं अन्य संबंधित कार्यवाहियों को निर्धारित एसओपी के अनुरूप संपादित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2026-27 में अध्ययनरत पुलिस विभाग के सेवारत राजपत्रित (आईपीएस संवर्ग को छोड़कर) एवं अराजपत्रित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को उत्तर प्रदेश पुलिस निधि से छात्रवृत्ति एवं एकमुश्त अनुदान दिए जाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मृत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत दुर्घटना बीमा एवं समूह टर्म जीवन बीमा (जीटीएल) के दावों से संबंधित सूचनाएं निर्धारित समय सीमा में भेजने तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक एंथम 'खाकी का सितारा' का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए।सेनानायक ने कैंप लेआउट, टर्नआउट, अनुशासन एवं व्यवस्थापन पर विशेष जोर देते हुए समय-समय पर रात्रि गणना, आकस्मिक रोल कॉल एवं निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। व्यवस्थापन स्थल पर निजी दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों





को किसी भी दशा में खड़ा न करने, मेस में खाद्य सामग्री के उचित रखरखाव, स्वच्छता तथा भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बदलते मौसम को देखते हुए मच्छरजनित एवं संक्रामक बीमारियों से बचाव, सर्पदंश के प्रति सतर्कता तथा खान-पान और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। सम्मेलन में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को सूक्ष्म जलपान कराया गया। सम्मेलन का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर उपसेनानायक उदय प्रताप सिंह, सहायक सेनानायक देव नारायण यादव, सहायक सेनानायक सियाराम, सहायक सेनानायक वेद प्रकाश राय, वाहिनी चिकित्सक डॉ. ओम प्रकाश एवं डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शिविरपाल अरविंद कुमार सिंह, सहायक शिविरपाल हरदास, सूबेदार मेजर सुधांशु कुमार सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्व-गणना के सम्बंध में विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना करने के संबंध में विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या की गणना) के अन्तर्गत 16 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2026 तक स्व-गणना एवं 01 दिसंबर 2026 से 04 जनवरी 2027 तक ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य की गणना प्रगणक के द्वारा किया जाएगा। प्रगणक द्वारा प्रत्येक सदस्य 40 प्रश्नों की अनुसूची भरा जाना है। जिलाधिकारी ने स्व-गणना की प्रक्रिया, स्व-गणना पोर्टल (se.census.gov.in) के उपयोग एवं इसकी महत्ता के सम्बन्ध में अवगत करते हुए इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी। जनगणना अवधि के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की गणना सुनिश्चित की जानी है। जनगणना के दौरान व्यक्ति की गणना उस स्थान पर की जाएगी, जहाँ वह निर्धारित जनगणना अवधि के दौरान उपस्थित रहेगा। जनगणना के दौरान किसी भी उत्तरदाता से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। उत्तरदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अन्तर्गत गोपनीय रखी जाती है तथा इसका अनधिकृत व्यक्तियों से किसी के साथ साझा नही जाता है।

राजस्व, वन एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम गठित, गैलेंट इस्पात के लैंड शेड्यूल एवं डीजीपीएस सर्वे की रिपोर्ट एक सप्ताह में देने के निर्देश

क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों, लंबित अनुमतियों तथा विभागीय स्तर पर लंबित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक परियोजनाओं से जुड़े प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा में उनका निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि परियोजनाओं के कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। बैठक में ग्रीनको ग्रुप की सीलिंग अनुमति से संबंधित आख्या उपलब्ध कराने के लिए समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज/ओबरा को निर्देशित किया कि अवाडा ग्रुप, जे0एस0डब्ल्यू0 एवं झरिया प्रोजेक्ट के स्टेज-2 से संबंधित आवेदन परिवेश पोर्टल पर एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कराए जाएं। टोरेंट पावर को बोरहोल अनुमति के लिए परिवेश पोर्टल पर आवेदन करने के निर्देश दिए गए। गैलेंट इस्पात ब्लॉक-बी/सी के लैंड शेड्यूल एवं डी0जी0पी0एस0 सर्वे के लिए राजस्व, खनन एवं वन विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई है। जिलाधिकारी ने टीम को एक सप्ताह के भीतर सर्वे की कार्रवाई पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संचालित एवं प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन किया जाये। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लंबित अनुमतियों एवं अन्य विभागीय प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परियोजनाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा, उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशीष कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी ओबरा रवि कुमार पासवान, उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार चौधरी, उप प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सिंह सहित विभिन्न औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पेंशनरों को अब कोषागार में उपस्थित होकर जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की आवश्यकता नहीं, ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र की सुविधा उपलब्ध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिनांक 05 नवम्बर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र की समीक्षा बैठक के दृष्टिगत जनपद में पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (Digital Life Certificate) प्रस्तुत करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आवश्यकतानुसार हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पेंशनर अपना जीवन प्रमाण-पत्र स्वयं अथवा अपने परिवार के किसी सदस्य के मोबाइल एप या पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त निकटवर्ती जन सुविधा केंद्र, कंप्यूटर सेंटर



अथवा साइबर कैफे के माध्यम से भी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध है। इस संबंध में निर्धारित प्रक्रिया एनआईसी सोनभद्र की वेबसाइट `onbhadra.nic.in पर अपलोड की गई है, जिसे डाउनलोड करके अथवा कोषागार सोनभद्र से प्राप्त करके ऑनलाइन जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। इस सुविधा के माध्यम से पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए कोषागार में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट के संबंध में पेंशनरों की सुविधा हेतु हेल्प डेस्क की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए इसका पर्याप्त प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि जनपद के अधिक से अधिक पेंशनर इस ऑनलाइन सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें।

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

'नारी का सम्मान, सुरक्षा की पहचान सोनभद्र पुलिस का यही अभियान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है।





साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जा रहा जागरूक साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर ग्रूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेडिंग/इन्वेस्टमेंट ग्रुप, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को ओटीपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने तथा आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी जा रही है। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 112 - आपातकालीन पुलिस सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपीलः महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन – सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र।'

'जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए।उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।





जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खुशियों की लहर भारतीय जनता पार्टी में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। यूपी के चुनाव 2027तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को नई गठन उच्च पदभार देकर कार्यकर्ताओं में जोश भरने का कार्य कर रही है कई पदाधिकारी को उच्च पद मिला प्रदेश में लगातार चर्चा का विषय बना।



समाजवादी पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता पंकज सिंह पटेल ने रावटसगंज विकासखंड का ब्लॉक प्रमुख के पद पर कुछ वर्षों पहले थे, सपा के दामन छोड़ भाजपा में लिए शपथ, शपथ के बाद लगातार पार्टी के लिए अच्छा कार्यकर्ता के रूप में निकले, और पार्टी के कार्यकर्ता द्वारा कार्य को देख कर पंकज सिंह पटेल को जिला उपाध्यक्ष के पदभार सोपा, सोनभद्र के धरती से पंकज सिंह पटेल वही है जो वर्तमान समय में रेणुकूट के उद्योगपतियों में नाम दर्ज है अर्चित होटल का मालिक पंकज सिंह पटेल।

नीट छात्रा रितु शर्मा (18) का 8 पेज का सुसाइड नोट कमरे में मिला,गोली मारकर जान दे दी थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/सोनभद्र। प्रयागराज में सुसाइड करने वाली नीट छात्रा रितु शर्मा (18) का 8 पेज का सुसाइड नोट कमरे में मिला है। रितु ने सोमवार को पिता की पिस्टल से खुद को गोली मारकर जान दे दी थी। सुसाइड नोट में उसने लिखा है- दिनभर परेशान करने वाले ख्याल मेरे दिमाग में आते हैं। मैं ढंग से पढ़ाई नहीं कर पा रही हूं। एक ही चीज को बार-बार दोहराती हूं। ऐसा नहीं करने पर मेरा दिमाग मुझे डराता है कि कुछ बुरा हो जाएगा। अब मैं थक चुकी हूं। ये अनचाहे थॉट्स नकारात्मक और डरावने हैं। जो मेरी जिंदगी को पूरी तरह तबाह कर रहे हैं। इसलिए मैं सुसाइड कर रही हूं। रितु शर्मा का नीट की तीसरे राउंड की काउंसिलिंग में एमबीबीएस में चयन हो गया था। शाम 4:30 बजे उसका रिजल्ट आया था। उसे सोनभद्र में सरकारी मेडिकल कॉलेज मिला था। रितु पूरी रात पढ़ाई करती और दिन में सोती थी। दोपहर में ढाई-तीन बजे उठती थी। सोमवार को वह जब कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिवार ने खिड़की से झांककर देखा तो उसकी लाश पड़ी थी।



वकीलों ने हत्या के विरोध में किया प्रदर्शन, हत्या के बाद एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट समेत 4 मांगे मांगी

सोनभद्र। मंगलवार दोपहर वकीलों ने कालपी तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार की हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने कोर्ट और तहसील परिसर से जुलूस निकाला और कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ को राज्यपाल के नाम चार मांगों का ज्ञापन सौंपा। सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव की अध्यक्षता और महामंत्री योगेश कुमार द्विवेदी के संचालन में वकीलों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने एक नवंबर को कानपुर के कालपी में गयादीन अहिरवार की हत्या की निंदा की। वकीलों ने कहा कि प्रदेश में अधिवक्ताओं के साथ लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई और कहा कि इन घटनाओं से अधिवक्ताओं में डर और गुस्सा है। ज्ञापन में हत्यारों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। वकीलों ने मृतक अधिवक्ता के परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी रखी। इसके अलावा, अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई। वकीलों ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है और इसके लिए कानून बनाना जरूरी है। प्रदर्शन में गोविंद प्रसाद मिश्र, राकेश शरण मिश्र, ओमप्रकाश त्रिपाठी, रमेश प्रसाद चौबे, आनंद मिश्र, राजीव सिंह गौतम, अखिलेश पांडेय, विनोद शुक्ला, प्रभात मिश्र, अरुण सिंघल, पवन मिश्रा, मनोज मिश्रा, आशुतोष दुबे, बंसी पांडेय, गीता गौर, अभिषेक श्रीवास्तव, अंकित सिंह, भानु चौहान, सुजीत, धीरज, राहुल जैन, राघवेंद्र नारायण, प्रभाकर श्रीवास्तव, रोशनलाल यादव, बिंदू यादव और कंचन सिन्हा समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



बाल झड़ने के 10 बड़े कारण, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें बालों को कैसे हेल्दी रखें, कैसे केयर करें, डाइट में क्या खाएं

नयी दिल्ली। बाल हमारे व्यक्तित्व का अहम हिस्सा हैं। घने, मजबूत और चमकदार बाल न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि अच्छी सेहत की भी निशानी होते हैं। अचानक बालों का झड़ना चिंता का विषय है। अक्सर लोग इसका दोष मौसम, पानी या शैंपू को देते हैं। जबकि कई बार समस्या की जड़ शरीर में होती है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अचानक और ज्यादा बाल झड़ना अक्सर हेयर फॉल बढ़ा है। यह अक्सर 'टेलोजन एफ्लुवियम' होता है। इसमें मुट्ठी भर बाल गिरते हैं, लेकिन स्कैल्प पर पैच नहीं बनते। 2) न्यूट्रिशन की कमी- बाल पतले, बेजान और आसानी से टूटने लगें। साथ में थकान, चक्कर या कमजोरी हो। यह आयरन, प्रोटीन, विटामिन बी12/डी की कमी का संकेत हो सकता है। 3) हार्मोनल बदलाव (थायरॉइड/पीएमओएस) हेयर फॉल के साथ वजन में बदलाव, अनियमित पीरियड्स, मुंहासे या चेहरे पर कम यूज करें। केमिकल ट्रीटमेंट न कराएं। गीले बालों में कंघी न करें। वाइड-टूथ कंघी यूज करें। अचानक क्रैश डाइटिंग न करें। सवाल- कब तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- इन कंडीशंस में डर्मेटोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना जरूरी है-स्कैल्प में तेज खुजली, रेडनेस, दर्द हो। डेली मुट्ठी भर बाल निकलें। कुछ हफ्तों में ही बालों की डेंसिटी काफी कम हो जाए। स्कैल्प पर पैच दिखें। अचानक वजन घटने लगे। डैंड्रफ के साथ इन्फेक्शन दिखे। बाल झड़ते रहना चिंता का संकेत है। सवाल- कैसे पहचानें कि स्कैल्प हेल्दी है या नहीं? जवाब- बालों की अच्छी सेहत की जड़ हेल्दी स्कैल्प है। स्कैल्प हेल्दी है या नहीं क्या आपका स्कैल्प हेल्दी है? हेल्दी स्कैल्प के संकेतः- स्कैल्प साफ हो। स्कैल्प ड्राय, रूखा न हो। डैंड्रफ, गंदगी, 'चिपचिपाहट न हो। खुजली या जलन न हो।प्राकृतिक नमी हो। बाल जड़ों से मजबूत हों। ब्लड सर्कुलेशन- हेयर ग्रोथ सामान्य हो। अनहेल्दी स्कैल्प के संकेतः- डैंड्रफ, फ्लेक्स, गंदगी दिखे। स्कैल्प पर सफेद परत हो। स्कैल्प पर चिपचिपापन हो। स्कैल्प पर मैल जमा हो। लगातार खुजली या जलन हो। स्कैल्प में रेडनेस बाल आसानी से टूटें झड़ें। स्कैल्प बहुत ऑयली/ड्राय हो या इरिटेशन हो। जड़ें कमजोर या पतली दिखें। मसाज करने पर दर्द हो। , कभी-कभी बाल झड़ना सिर्फ हेयर प्रॉब्लम नहीं, बल्कि किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। थायरॉइड एनीमिया (आयरन की कमी) हार्मोनल असंतुलन ऑटोइम्यून बीमारी, स्कैल्प इंफेक्शन, फंगल इंफेक्शन, सोरायसिस, टायफॉइड, डेंगू, मलेरिया बी12 न्यूट्रिशन डेफिशिएंसी। बालों को डैमेज करने वाली आदतें- जेनेरिक केयर, रोज शैंपू लगाना। बालों को टाइट बांधना। हार्श शैम्पू यूज करना। गीले बालों को रगड़ना। गीले बालों में कंघी करना। 12 हेयर ट्रीटमेंट- हेयर कलर, बार-बार हीट स्टाइलिंग स्ट्रेटनर, कर्लर, ड्रायर ओवरयूज। ज्यादा केमिकल ट्रीटमेंट। स्मूदनिंग, रीबॉन्डिंग। बार-बार हेयर कलरिंग। रेगुलर ऑयलिंग न करना। लाइफस्टाइल- जंकफूड ज्यादा खाना। शुगरी फूड ज्यादा खाना। ज्यादा स्ट्रेस लेना। नींद पूरी न होना। प्रोटीन- अंडा, दालें, पनीर, दही, सोया, आयरन- पालक, चुकंदर, गुड़, खजूर, अनार, 3 ओमेगा-3 फैटी एसिड अखरोट, अलसी के बीज, फैटी फिश, बायोटिन, 5 बी- विटामिन्सः- नट्स, बीज, साबुत अनाज- केला, जिंक और 7 सेलेनियम कद्दू के बीज, तिल, नट्स, विटामिन सी- आंवला, संतरा, अमरूद, नींबू, विटामिन डीः-धूप, फोर्टिफाइड दूध, अंडा। हेयर फॉल से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या रोज बाल धोना सही है? जवाब- आमतौर पर 2-3 दिन में एक बार बाल धोना बैलेंस्ड माना जाता है। सवाल- क्या बार-बार शैम्पू बदलने से बाल झड़ सकते हैं? जवाब- हां, इससे स्कैल्प का बैलेंस बिगड़ सकता है। सवाल- क्या हार्ड वाटर से बाल ज्यादा झड़ते हैं? जवाब- हां, हार्ड वाटर में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल ज्यादा होते हैं। ये



'टेलोजन एफ्लुवियम' नाम की हेल्थ कंडीशन से जुड़ा होता है। इसमें स्ट्रेस, पोषक तत्वों की कमी या हार्मोनल बदलाव के कारण बड़ी संख्या में बाल समय से पहले झड़ने लगते हैं। हालांकि अच्छी बात यह है ज्यादातर मामलों में सही कारण का पता लगाकर और लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलाव करके इस समस्या को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हेयर फॉल की समस्या को विस्तार से समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- अचानक बाल झड़ने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? हेयर फॉल कम करने के लिए कैसी डाइट लेनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. भावुक धीर, कंसल्टेंट- डर्मेटोलॉजी, पीएसआरआई हॉस्पिटल, नई दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- अगर अचानक बहुत ज्यादा बाल झड़ने लगें तो इसके पीछे क्या संभावित कारण हो सकते हैं? जवाब- इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हेयर ट्रीटमेंट, बार-बार कलरिंग या हीट स्टाइलिंग से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। वहीं महिलाओं में प्रेग्नेंसी के बाद कुछ समय तक बाल ज्यादा झड़ते हैं। इन कारणों से झड़ सकते हैं बालः-स्ट्रेस-अचानक कोई तनाव इमोशनल शॉक,न्यूट्रिशन-अनियमित, अनहेल्दी खानपान आयरन, प्रोटीन की कमी विटामिन बी12, डी की कमी, हार्मोनल बदलाव-थायरॉइड पीसीओएस/पीसीओडी पोस्ट-प्रेग्नेंसी, बीमारी/इंफेक्शन-डेंगू, कोविड, टाइफाइड स्कैल्प फंगल इंफेक्शन, दवाइयों के साइड इफेक्ट- एंटी-डिप्रेसेंट, बीपी, थायरॉइड की दवाएं कीमोथेरेपी दवाएं स्कैल्प प्रॉब्लम डैंड्रफ (रूसी) सोरायसिस स्कैल्प में सूजन/खुजली, हेयर ट्रीटमेंट-हीट स्टाइलिंग केमिकल ट्रीटमेंट बोडिंग, कलर) टाइट हेयरस्टाइल-जेनेटिक कारण परिवार में गंजेपन की हिस्ट्री, मौसम- मौसम बदलने पर टेम्परी हेयर शेडिंग। सवाल- हेयर फॉल के कारण को कैसे पहचानें? जवाब- इसका सबसे सही तरीका है पैटर्न, टाइमिंग और साथ में दिख रहे लक्षणों को जोड़कर देखना। इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1) स्ट्रेस/इमोशनल शॉक-अगर 2-3 महीने पहले किसी इमोशनल शॉक से गुजरे हैं। अब अचानक अनचाहे बाल आएं। ये हार्मोनल इश्यू जैसे पीएमओएस (पॉलीएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम) या थायरॉइड का संकेत है। 4) बीमारी/इन्फेक्शन के बाद-डेंगू, कोविड, टाइफाइड जैसी बीमारी के 1-2 महीने बाद अचानक ज्यादा बाल झड़ें। यह भी 'टेलोजन एफ्लुवियम' का क्लासिक पैटर्न है। 5) दवाइयों के साइड इफेक्ट-अगर नई दवा शुरू करने के बाद हेयर फॉल बढ़े तो टाइमिंग देखें। अक्सर दवा शुरू होने के कुछ हफ्तों में असर दिखता है। 6) स्कैल्प प्रॉब्लम-खुजली, रेडनेस, फ्लेक्स (रूसी), दर्द या पपड़ी दिखे। यह डैंड्रफ, फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्या का संकेत है। 7) हेयर ट्रीटमेंट/हेयरस्टाइल-अगर टाइट पोनीटेल, हीट या केमिकल ट्रीटमेंट के बाद हेयरलाइन पतली हो रही है। यह ट्रैक्शन (खिंचाव) हेयर लॉस का संकेत है।8) जेनेटिक कारण- धीरे-धीरे हेयरलाइन पीछे जाए और पार्टिंग चौड़ी हो। यह पैटर्न अगर परिवार में भी है तो 'एंड्रोजेनेटिक एलोपेशिया' का संकेत है।9) मौसम बदलना-अगर कुछ हफ्तों के लिए ही हेयर फॉल बढ़े और फिर खुद ठीक हो जाए तो यह सीजनल शेडिंग है। सवाल- हेयरफॉल को रोकने के लिए क्या करें? जवाब- सही हेयर केयर और हेल्दी लाइफस्टाइल से हेयर फॉल को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। हेयरफॉल रोकने के लिए क्या करें-न्यूट्रिशिय खाना खाएं। पर्याप्त पानी पिएं। स्कैल्प को साफ रखें। हफ्ते में 2 बार शैंपू करें। माइल्ड शैंपू यूज करें। डैंड्रफ न होने दें। रेगुलर ऑयलिंग/ मसाज करें। स्ट्रेस कंट्रोल में रखें। टाइट पोनीटेल/जूड़ा न बनाएं। स्ट्रेटनर, कर्लर थायरॉइड, न्यूट्रिशन की कमी, ऑटोइम्यून डिजीज की वजह से होता है। इसमें हेयरलाइन पीछे जाना या पैच में गंजापन दिख सकता है। सवाल- क्या मौसम बदलने पर भी बाल झड़ते हैं? जवाब- हां, इसे 'सीजनल हेयर फॉल' कहते हैं। मौसम में बदलाव बालों की ग्रोथ साइकिल को प्रभावित करता है। यह आमतौर पर 2-6 हफ्तों में अपने-आप ठीक हो जाता है और नए बाल उगने लगते हैं। मौसम बदलने पर बालों का नेचुरल साइकिल डिस्टर्ब हो सकता है। इससे एक साथ ज्यादा बाल गिरने लगते हैं। यह आमतौर पर कुछ हफ्तों में सामान्य हो जाता है, लेकिन लंबे समय तक ज्यादा बालों पर जमा होकर उन्हें रूखा, बेजान और कमजोर बना देते हैं। सवाल- क्या हेयर ग्रोथ के लिए ऑयलिंग जरूरी है? जवाब- बालों की ग्रोथ जड़ों से होती है, जो ब्लड सर्कुलेशन, हार्मोन और न्यूट्रिशन पर निर्भर होती है। सिर्फ तेल लगाने से नए बाल नहीं उगते।

हालांकि ऑयलिंग से बाल हेल्दी होते हैं। सवाल- क्या हेयर कट कराने से बाल गिरना कम होता है? जवाब- नहीं, बालों की ग्रोथ और फॉल दोनों हेयर फॉलिकल्स से कंट्रोल होता है, बालों की लंबाई से नहीं।

हालांकि ट्रिमिंग से दोमुंहे बाल हट जाते हैं।



भारत-पाक मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा,वनडे वर्ल्ड कप के लिए 34 हजार सीटें, आवेदन आए 84 लाख-जोहान्सबर्ग में मुकाबला

स्पोर्ट डेस्क। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कपः-वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए



उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदनः-टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं। 21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगेः-वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है। 193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदनः-आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं। 24 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुके हैं। क्रिकेट में पहले भी लॉटरी से टिकट बांटे गएः-2011 वनडे वर्ल्ड कपः भारत में सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए आईसीसी ने पब्लिक बैलट सिस्टम अपनाया था।

वेबसाइट पर भारी ट्रैफिक के कारण टिकट बिक्री में परेशानी आई थी।2016 टी-20 वर्ल्ड कपः भारत के मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए लॉटरी सिस्टम रखा गया था। सफल आवेदकों को टिकट खरीदने का मौका मिला था। 2019 वनडे वर्ल्ड कपः आईसीसी ने दो स्टेज में टिकट बैलट कराया था। इसमें पहले क्रिकेट फैमिली बैलट और फिर पब्लिक बैलट शामिल था।

2024 टी-20 वर्ल्ड कपः आईसीसी ने पब्लिक टिकट बैलट कराया था। भारत-पाकिस्तान मैच के लिए भी टिकटों की मांग उपलब्ध सीटों से 200 गुना ज्यादा थी।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे,कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए

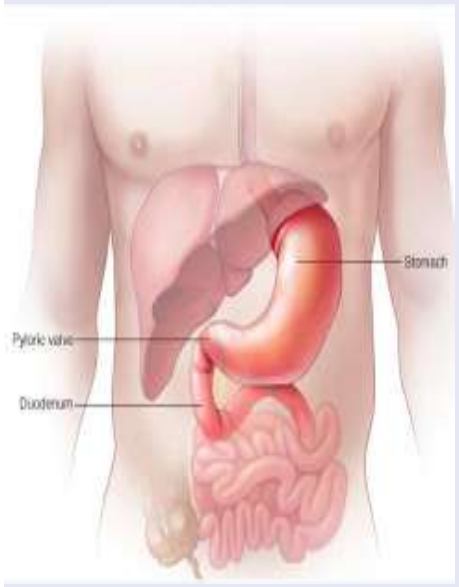
स्पोर्ट डेस्क। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों



आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है। सीरीज में रोहित-विराट के सामने क्या चुनौतियां होंगी, न्यूजीलैंड में दोनों का रिकॉर्ड कैसा रहा है और वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए यह दौरा क्यों अहम है,न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर- न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.41 और स्ट्राइक रेट 72.95 है। उनके नाम 4 अर्धशतक हैं, लेकिन वे अब तक यहां वनडे शतक नहीं लगा सके हैं। कोहली ने 12 साल पहले न्यूजीलैंड में शतक लगायाः-न्यूजीलैंड में विराट कोहली की सबसे यादगार वनडे पारी 19 जनवरी 2014 को नेपियर में आई थी। उन्होंने 111 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की धरती पर यह उनका इकलौता वनडे शतक है। इसी दौरे पर उन्होंने हैमिल्टन में 65 गेंदों पर 78 और ऑकलैंड में 70 गेंदों पर 62 रन की पारियां भी खेली थीं। न्यूजीलैंड में रोहित शर्मा का सबसे बड़ा वनडे स्कोर 87 रन है। उन्होंने 26 जनवरी 2019 को माउंट माउंगानुई में यह पारी खेली थी। शिखर धवन के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़े। धवन ने 66 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 324 रन बनाए और मुकाबला 90 रन से जीत लिया। रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उस समय विराट कोहली टीम के कप्तान थे। भारत ने यह सीरीज 4-1 से जीती थी। भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वालों में दोनों टॉप-3 में:-न्यूजीलैंड में ही नहीं, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में भी रोहित और कोहली टॉप-3 हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ पहले नंबर पर हैं। कोहली 15,109 रन बनाकर दूसरे और रोहित 12,120 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, रोहित ने 291 मैचों में 35 शतक और 63 अर्धशतक बनाए हैं। रोहित का बेस्ट स्कोर 264 रन है। यह वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। दुनिया में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वालों की सूची में कोहली दूसरे और रोहित सातवें नंबर पर हैं। रोहित शर्मा 2026 में वनडे फॉर्मेट में अच्छी लय में रहे हैं। उन्होंने इस साल 12 पारियों में 604 रन बनाए हैं। उनका औसत 50.33 और स्ट्राइक रेट 104.67 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 2 अर्धशतक लगाए। हालांकि, जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत में हुई वनडे सीरीज में उनका बल्ला नहीं चला। वे 3 पारियों में सिर्फ 61 रन बना सके। उनका औसत 20.3 रहा और बेस्ट स्कोर 26 रन था। न्यूजीलैंड के खिलाफ रोहित का कुल रिकॉर्ड और वहां की जमीन पर उनका प्रदर्शन अलग-अलग है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी मैदानों पर खेले गए 32 वनडे पारियों में उन्होंने 1,134 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.6 और स्ट्राइक रेट 85.3 है। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 6 अर्धशतक लगाए। उनके दोनों शतक भारत में बने थे। 2017 में कानपुर में 147 रन और 2023 में इंदौर में 101 रन। 2027 वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाना है। रोहित और कोहली ने पहले ही साफ कर दिया है कि वे इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। लेकिन टीम में जगह प्रदर्शन और चयनकर्ताओं के फैसले पर निर्भर करेगी। 2025-26 सीजन में दोनों ने घरेलू वनडे क्रिकेट भी खेला और विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया। रोहित के लिए 2027 वर्ल्ड कप 2011 का अधूरा सपना पूरा करने का मौका हो सकता है। वे 2011 में वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। 2023 में उन्होंने टीम की कप्तानी की, लेकिन फाइनल में भारत को हार मिली। वहीं, कोहली 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। न्यूजीलैंड में भारत का वनडे रिकॉर्ड बताता है कि वहां मेजबान टीम को हराना आसान नहीं रहा है। 1976 से 2022 के बीच भारत ने न्यूजीलैंड में 45 वनडे खेले। इनमें 14 में जीत मिली, जबकि 26 में हार का सामना करना पड़ा।

खाने के बाद घंटों पचता नहीं है खाना,हो सकता है गैस्ट्रोपेरेसिस,जानें लक्षण/इलाज व बचाव के 10 टिप्स

मुंबई। आपने दोपहर के खाने में दो रोटी खाई थी। शाम होने को आई, लेकिन अभी तक पेट



भरा हुआ है। भूख लगने का नाम ही नहीं ले रही। पेट भी फूला-फूला लग रहा है। कई बार खाने के कुछ घंटे बाद भी ऐसा लगता है, जैसे पेट ने खाना पचाने का प्रोसेस शुरू ही नहीं किया। आपको लग सकता है कि शायद ये गैस या अपच की समस्या है। लेकिन अगर यह परेशानी बार-बार हो, भूख कम लगे, खाने का मन कम हो और वजन भी घटने लगे, तो सवाल उठता है कि आखिर पेट के भीतर चल क्या रहा है? यह स्थिति 'गैस्ट्रोपेरेसिस' हो सकती है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में गैस्ट्रोपेरेसिस के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- यह समस्या क्यों होती है? इसका इलाज क्या है और इससे बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. दत्तात्रेय सोलंवेव, कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब वेव माध्यम से। सवाल- गैस्ट्रोपेरेसिस क्या होता है? एकदम आसान भाषा में समझाइए। जवाब- गैस्ट्रोपेरेसिस में पेट खाना पचाने के लिए उसे आगे छोटी आंत तक भेजने में सामान्य से ज्यादा समय लगाता है। इसे एक आसान उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं। मान लीजिए- आपने दोपहर में दाल, रोटी और सब्जी खाई। खाना खाने के बाद पेट का काम है कि वह खाने को धीरे-धीरे मथकर छोटे हिस्सों में तोड़े और फिर छोटी आंत में भेजे। छोटी आंत में आगे पाचन और पोषक तत्वों को शरीर में पहुंचाने का काम होता है। इसके लिए पेट की मांसपेशियां सिकुड़ती और फैलती हैं। पेट की नसें इन मांसपेशियों को सही समय पर काम करने का संकेत देती हैं। गैस्ट्रोपेरेसिस में यह प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। यानी पेट खाने को आगे भेजने में देर करता है। खाना पेट में सामान्य से ज्यादा समय तक रुका रहता है। आसान शब्दों में इसे 'पेट के धीरे खाली होने की समस्या' कह सकते हैं। सवाल- गैस्ट्रोपेरेसिस क्यों होता है? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं- 1. डायबिटीज-लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ा रहने से पेट की मांसपेशियों को नियंत्रित करने वाली नसों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे खाने को आगे भेजने का पेट का काम धीमा पड़ जाता है। 2. पेट की सर्जरी-पेट या उसके आसपास की कुछ सर्जरी के दौरान पेट की गति को नियंत्रित करने वाली नसों पर असर पड़ सकता है। इससे गैस्ट्रोपेरेसिस हो सकता है। 3. दूसरी बीमारियां-पार्किंसन डिजीज और कुछ अन्य न्यूरोलॉजिकल कंडीशंस पेट की गति को प्रभावित कर सकती हैं। हाइपोथायरॉइडिज्म (थायरॉइड ग्लैंड से जुड़ी कंडीशन) भी पेट के धीरे खाली होने से जुड़ा हो सकता है। 4. कुछ दवाएं-पेन किलर और कुछ दूसरी दवाएं पेट के खाली होने की गति धीमी कर सकती हैं। 5. कई बार कारण पता नहीं चलता-कुछ लोगों में जांच के बाद भी गैस्ट्रोपेरेसिस का स्पष्ट कारण सामने नहीं आता। इसे इडियोपैथिक गैस्ट्रोपेरेसिस कहते हैं।

गैस्ट्रोपेरेसिस के मुख्य कारणः- 1. डायबिटीज- हाई शुगर से नसों को नुकसान। 2. पेट की सर्जरी- सर्जरी से पेट की गति धीमी। 3. दूसरी बीमारियां पेट की नसों पर असर। 4. अज्ञात कारण बिना किसी वजह के हो सकता है। 5. कुछ दवाएं पाचन की गति धीमी। सवाल- गैस्ट्रोपेरेसिस होने पर कौन-से लक्षण दिखाई देते हैं? जवाब- गैस्ट्रोपेरेसिस होने पर पेट से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं।

मस्क को हमारे स्पेस नेटवर्क व इंटरनेट में क्यों दिलचस्पी है?

मालूम होता है कि दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति इलॉन मस्क के लिए मुनाफा ही सर्वोपरि है। वे सोशल मीडिया से प्रोपगंडा फैलाने के साथ ही चुनावी चंदों



से सरकारी नीतियों को भी बदलने में माहिर हैं। सैटेलाइट से इंटरनेट देने वाले स्टारलिंक प्रोजेक्ट का लाइसेंस हासिल करने के लिए मस्क ने मोदी और अम्बानी पर तंज कसा। भारत में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड-लाइन इंटरनेट बाजार में 80फीसदी अधिकार है। इससे जुड़े 6 पहलुओं को समझें : 1. लॉकडाउन करोड़ों लोगों के लिए आपदा, गरीबी और बेरोजगारी का दौर था। लेकिन उसी दरमियान मस्क की सम्पत्ति 10 गुना बढ़ी। 2020 के कोविड-वर्ष में ही भारत में अंतरिक्ष सेक्टर में खुली 5अर्थव्यवस्था और निजीकरण की शुरुआत हुई। सरकार और कानून को हल्के में लेते हुए मस्क की कम्पनी ने गैरकानूनी तरीके से 2021 में लाइसेंस के बिना ही भारत में सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करने की कोशिश की थी, जिसे उन्हें बंद करना पड़ा। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2. सुप्रीम कोर्ट के 2012 के फैसले के अनुसार राष्ट्रीय सम्पदा स्पेक्ट्रम का नीलामी के आधार पर आवंटन होना चाहिए। पर 2023 के दूरसंचार कानून से सैटेलाइट इंटरनेट के लिए नीलामी के बजाय प्रशासनिक आदेश से स्पेक्ट्रम आवंटन का रास्ता साफ हो गया। बाद ही इन्हें फाइनल लाइसेंस मिल सकेगा। तब मस्क भेदभाव का आरोप कैसे लगा सकते हैं? 3. पृथ्वी की निचली कक्षा में संचालित होने वाली सैटेलाइट सेवाओं पर नियंत्रण बड़ा मुद्दा है। संसदीय समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे के अनुसार 2013-14 में मनमोहन सरकार ने सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं से जुड़े खतरों के बारे में आगाह किया था। पूर्व राष्ट्रपति कलाम, इसरो और सेना ने गूगल के 3-डी व्यू को सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया था। लेकिन इसे आगे चलकर केंद्र सरकार से अनुमति मिल गई। 4. क्रिप्टो, एआई, डेटा सेंटर और सैटेलाइट इंटरनेट के कारोबार को सफल बनाने के लिए मस्क ने 2022 में ट्विटर (एक्स) को खरीदा। मस्क का ग्रोक एआई प्लेटफॉर्म गैर-कानूनी तरीके से एक्स के करोड़ों यूजर्स के डेटा का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहा है। नियमों के तहत एक्स ने शिकायत निवारण अधिकारी का विवरण भी जारी नहीं किया। ऐसे में सैटेलाइट इंटरनेट के सामरिक क्षेत्र में डेटा स्थानीयकरण और अन्य नियमों के पालन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? 5. मस्क कोई परोपकारी नहीं, उलटे विशुद्ध कारोबारी व्यक्ति हैं। भारत में घूस देना और लॉबीइंग बचाने के लिए अपनी कम्पनी के हेडक्वार्टर को टेक्सस राज्य में शिफ्ट कर लिया था। कैपिटल गेन, विद होल्डिंग टैक्स और डिविडेंड पर टैक्स बचाने के लिए ही मस्क ने नीदरलैंड्स के टैक्स हैवन के माध्यम से भारत में निवेश की योजना बनाई है। 6. ईरान और यूक्रेन युद्ध के साथ बांग्लादेश के सीमावर्ती राज्यों में स्टारलिंक की भूमिका संदिग्ध रही है। 11 हजार दूरस्थ गांवों में इंटरनेट देने के नाम पर स्टारलिंक भारत के अंतरिक्ष और इंटरनेट नेटवर्क पर कब्जा करना चाह रही है।

भारतीय उद्योगपतियों के एकाधिकार से जुड़े मस्क के आरोपों पर भारत में कानून के तहत ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। गृह और रक्षा मंत्रालय की आपत्ति और खुफिया एजेंसियों के अलर्ट को दरकिनार करके सैटेलाइट इंटरनेट को इजाजत देने से सामरिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

11 हजार गांवों में इंटरनेट देने के नाम पर स्टारलिंक भारत के अंतरिक्ष और इंटरनेट नेटवर्क पर कब्जा करना चाह रही है। खुफिया अलर्ट को दरकिनार कर सैटेलाइट इंटरनेट को इजाजत देने से सामरिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

85 की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के क्या मायने होते हैं?

क्या आपको भी ऐसा महसूस होता है कि नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होते ही तमाम तरह की सकारात्मकता हमें और हमारे आसपास के वातावरण को घेर लेती है? मुझे तो ऐसा ही लगता है। और भला



क्यों न हो! एक तो तमाम विषय मानो फिर से हमारे जेहन में अपनी गम्भीरता लिए उतर पड़ते हैं, चाहे वह भौतिकी, रसायनशास्त्र, चिकित्सा हो या अर्थशास्त्र। उधर बेसुध होती रीलबद्ध दुनिया को साहित्य के पुरस्कार की जब प्रतिध्वनि आती है, तो उसका ध्यान टूटता है और उसे यकीन होता है कि मनुष्य बिना किसी डिजिटल संगत के भी मानवीय संवेदना को महसूस कर सकता है। खैर, आज चर्चा शांति के पुरस्कार की। जी हां, शांति का पुरस्कार, क्योंकि कोई नहीं बचा- न व्यक्ति, न नेतृत्व और न कोई संस्था- जो वैश्विक स्तर पर शांति की आवाज उन तमाम ड्रोनों, मिसाइलों और भेद बढ़ाते ह्रदयों तक पहुंचा सके। लेकिन नोबेल तो नोबेल ठहरा। उसे न बढ़ती उम्र दिखी और न जाति, न धर्म, न रंग, न जेंडर और न ही किसी देश की सामरिक और आर्थिक शक्ति। उसने तो इस साल उस भारतीय तमिल मूल की दक्षिण अफ्रीकी महिला को शांति के पुरस्कार के लिए चुना, जो 85 वर्ष की हैं। आप खुद ही अंदाजा लगाइए कि हमारे देश में 85 वर्ष के होने का क्या मतलब होता है? और हमारे आसपास के लोग उस व्यक्ति को इस उम्र के पायदान पर क्या अहसास कराते हैं? लेकिन वे तो नवी पिल्लई हैं, जो रंगभेद-विरोधी कैदियों का बचाव करने से लेकर दुनिया की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अदालतों और मानवाधिकार संस्थाओं में काम करती रही हैं। न उम्र, न रंग, न आर्थिक तंगी को उन्होंने रास्ते की बाधा बनने दिया और न उनको पहचानने में नोबेल समिति को कोई रोक पाया। 1941 में डरबन के क्लेयरवुड में एक गरीब तमिल परिवार में जन्मीं नवी पिल्लई रंगभेद के माहौल में पली-बढ़ीं। हार्वर्ड से कानून में डॉक्टरेट की डिग्री ली और वे ऐसा करने वाली पहली दक्षिण अफ्रीकी थीं। पर कोई भी लॉ फर्म उन्हें नौकरी पर नहीं रखना चाहती थी, क्योंकि गोरी सेक्रेटरी किसी गैर-गोरी महिला से निर्देश नहीं लेना चाहती थीं। फिर उन्होंने खुद की प्रैक्टिस शुरू की और नटाल में ऐसा करने वाली वे पहली गैर-गोरी महिला थीं।उन्होंने रंगभेद-विरोधी कार्यकर्ताओं का बचाव किया, नजरबंद लोगों के साथ होने वाली यातना और अकेले कैद रखने की घटनाओं को उजागर किया। एक अहम केस जीता, जिससे रॉबेन आइलैंड पर मौजूद राजनीतिक कैदियों- जिनमें नेल्सन मंडेला भी थे- को कानून की किताबों तक पहुंच मिली। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने जोर दिया कि बढ़ते युद्धों और 'सही के बजाय ताकत' की ओर बढ़ते झुकाव के बीच यह पुरस्कार इस बात को मान्यता देता है कि स्थायी शांति कानूनी सिद्धांतों और जवाबदेही पर टिकी होती है, न कि केवल ताकत पर। नवी पिल्लई का भारत से गहरा नाता है। उनके पिता के परिवार की जड़ें तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के वथलागुंडु में थीं। उनके दादा-दादी 1890 के दशक में मद्रास प्रेसीडेंसी से नटाल में गन्ने के बागानों में काम करने के लिए अनुबंधित मजदूरों के तौर पर गए और उनके दादा के पैर भी इसी जद्दोजहद में कट गए। उनके पिता बस ड्राइवर थे, लेकिन उन्होंने बेटों के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा पर भी जोर दिया। पिता की मौत के बाद उन्होंने तमिलनाडु में अपने बचे हुए रिश्तेदारों को ढूंढा। और साथ-साथ, घृणा और युद्ध में गुम हो गई उस शांति को भी, जिसकी इस दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत है। हर वो नेतृत्व जो शांति की वकालत करता है, वह नवी पिल्लई की संगत में नोबेल पुरस्कार की आभा को महसूस कर सकता है! (ये लेखक के अपने विचार हैं,नंदितेश निलय)

आजीविका जीवन बनाए रखने वाली हो, जीवन को खतरे में डालने वाली नहीं

पिछले शुक्रवार की शाम पुणे के पिंपरी सौदागर निवासी 43 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट मनोज मालपानी ने खुद को एक असामान्य और संभावित तौर



पर खतरनाक स्थिति में पाया। वे मुंबई एयरपोर्ट से पुणे तक एक कैब में जा रहे थे। उन्होंने देखा कि ड्राइवर बार-बार जम्हाई ले रहा था और जागे रहने के लिए संघर्ष कर रहा था। कम से कम दो बार तो लगा कि ड्राइवर स्टियरिंग पर ही झपकी ले रहा है। मालपानी डर गए। वे मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर थे, जहां पलभर की लापरवाही जानलेवा हो सकती है। रात करीब 8.30 बजे जब कैब एक फूड मॉल पर रुकी तो मालपानी ने ड्राइवर से इस बारे में पूछा। ड्राइवर ने माना कि लगातार ड्यूटी करने से वह थक चुका था और उसे नींद आ रही थी। मालपानी ने ड्राइवर को आराम करने के लिए कहा और खुद गाड़ी चलाने की पेशकश की।ड्राइवर तुरंत तैयार हो गया। उसने अपनी सीट पीछे की और सो गया। मालपानी ने पहले टोल प्लाजा तक गाड़ी चलाई। वहां भी ड्राइवर को उनींदा देखकर उन्होंने लगातार पुणे तक गाड़ी चलाई और रात करीब 10.30 बजे मंजिल पर पहुंचे। उन्होंने ड्राइवर को जगाकर गाड़ी सौंपी और किराया चुकाया। उन्होंने माना कि उन्हें किसी दूसरे की कैब नहीं चलानी चाहिए थी, लेकिन उन्हें जान की परवाह थी तो ऐसा किया। इसके बाद उस कैब एग्रीगेटर ने उस ड्राइवर का अपने एप तक एक्सेस खत्म कर दिया और मालपानी को किराए की रकम क्रेडिट के रूप में रिफंड कर दी। लेकिन यह घटना एप-बेस्ड ड्राइवरों की कामकाजी परिस्थितियों पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। इंडियन गिग वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष केशव क्षीरसागर बताते हैं कि ड्राइवरों के काम के घंटे तय नहीं हैं और कम आय के कारण उन पर लगातार काम करने का दबाव रहता है। इस घटना ने मुझे मुंबई की मिडिल-इनकम हाउसिंग सोसायटियों के एक आम नजारे की याद दिला दी- गेट पर चौकीदार गहरी नींद में सो रहा होता है और कोई नाराज निवासी उसे जगाता है। दोनों स्थितियां अलग लग सकती हैं, लेकिन इनमें एक बात समान है। दोनों ही मामलों में ऐसे वर्कर्स हैं, जिनसे सतर्क रहने की उम्मीद की जाती है, लेकिन उनकी कमाई शायद ही इतनी होती है कि रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर पाएं। रेजिडेंशियल सोसायटियों में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के जरिए नियुक्त सिक्योरिटी गार्डों को ही देखिए। इनमें से कई को 30 दिनों की शिफ्ट के बदले 10 हजार रुपए से भी कम मिलते हैं। इतनी कम कमाई में परिवार चलाना मुश्किल है, खासकर मुंबई जैसे महंगे शहर में। किराया, खाना, स्कूल फीस, दवाइयां और आने-जाने का खर्च वेतन के दिन का इंतजार नहीं करते। इसलिए कुछ गार्ड दूसरी शिफ्ट भी कर लेते हैं, ताकि महीने में करीब 20 हजार रुपए कमा सकें। वे दिन में 18 से 20 घंटे काम करने लगते हैं। ऐसे में आने-जाने, खाना खाने और ठीक से सोने के लिए बहुत कम समय बचता है। नींद की कमी से कॉन्सन्ट्रेशन, जजमेंट, रिएक्शन टाइम और इमोशनल कंट्रोल प्रभावित होते हैं। अंततः शरीर वह चीज मांगने लगता है, जिसकी इजाजत जेब नहीं देती- आराम। आराम की कमी से कोई सिक्योरिटी गार्ड कम चौकन्ना, कोई ड्राइवर कम रेस्पॉन्सिव हो सकता है और किसी डिलीवरी वर्कर के गलती करने की आशंका बढ़ सकती है। सेफ्टी-सेंसेटिव जॉब्स में तो इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। लंबे समय में इसकी एक और कीमत चुकानी पड़ती है। लगातार थकान और अपर्याप्त रिकवरी शारीरिक और मानसिक सेहत खराब कर सकती है। एक्स्ट्रा शिफ्ट के जरिए की गई कमाई की कीमत सेहत से चुकानी पड़ सकती है। आगे चलकर मेडिकल बिलों का खर्च परिवार पर आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। महीने में एक पगार पर जी रहे वर्कर के लिए किसी एक्स्ट्रा शिफ्ट का मतलब समय पर स्कूल की फीस भर पाना या परिवार का राशन खरीद पाना हो सकता है। सेहत के लिहाज से कोई काम ठुकरा देना समझदारी भरा फैसला हो सकता है, लेकिन सर्वाइवल के लिए ऐसा करना कई बार नामुमकिन होता है।

फंडा यह है कि सर्वाइवल के लिए एक वर्कर कब तक अपनी नींद की कीमत चुकाता रहेगा? देर-सबेर उसकी सेहत जवाब दे ही देगी। समाज के तौर पर जब तक हम इस हकीकत को नहीं समझेंगे और अपने वर्कर्स को एक शिफ्ट के काम से ही बुनियादी जरूरतें पूरी करने लायक वेतन नहीं देंगे, तब तक हमें ऐसी सेवाएं ही मिलती रहेंगी, जो हमारे जीवन और प्रॉपर्टी को गंभीर जोखिम में डाल सकती हैं। एन. रघुरामन

'म्यूज' को इस्तेमाल करने से पहले इस पर्सनल असिस्टेंट के बारे में समझ लें

सभी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने एक कला में महारत हासिल कर ली है, जो उनका बिजनेस बन गई है। वे कोई चीज बनाती हैं, फिर आमजन को यकीन दिलाती हैं कि वे इसके बिना रह ही नहीं सकते। इसकी शुरुआत फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप से हुई थी, सही है ना? हममें से ज्यादातर लोग इनके बिना रह नहीं सकते, है ना? क्लास के स्टूडेंट की तरह उंगली उठाकर मत बोलिए कि 'मैं ऐसा नहीं हूं।' मैं सहमत हूं कि कुछ लोग इनके आदी नहीं हुए होंगे। इसीलिए मैंने कहा कि ज्यादातर लोग। अब इसका सबसे ताजा उदाहरण मेटा प्लेटफॉर्म का पर्सनल एआई-एजेंट 'म्यूज' है। किसी सॉफ्ट टॉय के चबी वर्जन जैसे दिखने वाले म्यूज ने लोगों का ध्यान खींचा है। वरना 8 सितंबर 2026 को यूएस और कनाडा में लॉन्च होने के सिर्फ 22 दिनों में ही इसके 5 मिलियन से ज्यादा डाउनलोड कैसे हो गए? इस माइलस्टोन ने इसे अब तक के सबसे तेजी से बढ़ते एआई एप्स में शामिल कर दिया है, जिसने इनिशियल लॉन्च डाउनलोड स्पीड के मामले में चैटजीपीटी, ग्रोक और क्लॉड को भी पीछे छोड़ दिया। मेटा ने भारत में इसके ऑफिशियल लॉन्च की तारीख या टाइमलाइन घोषित नहीं की है।म्यूज के बारे में नहीं जानने वालों को बता दूं कि हमारे टेक्स्ट का जवाब देने वाले सामान्य चैटबॉट्स के विपरीत म्यूज एक पर्सनल एआई-एजेंट है, लेकिन 'एजेंटिक बिहेवियर' के लिए। यह मल्टी-स्टेप टास्क संभालता है, बैकग्राउंड में ऑटोमैटिकली काम करता है और हमारी ओर से



डिजिटल सेवाओं के साथ बातचीत करता है। विशेषज्ञों को लगता है कि म्यूज के साथ आप जो भी जानकारी शेयर करते हैं, तकनीकी तौर पर वह मेटा के साथ शेयर हो सकती है। कंपनी कहती है कि इसका इस्तेमाल आपको विज्ञापन दिखाने के लिए नहीं किया जाएगा, लेकिन एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। यह कुछ हद तक हमारे द्वारा कॉल सेंटर में की जाने वाली कॉल्स जैसा ही है, जहां ऑटो-आंसर मशीन कहती है कि 'यह कॉल आंतरिक इस्तेमाल और ट्रेनिंग के लिए रिकॉर्ड की जा सकती है।' आप सेटिंग्स में जाकर ऑप्ट-आउट कर सकते हैं, लेकिन मेटा का कहना है कि उसके एम्प्लॉयी खास परिस्थितियों को छोड़कर अकाउंट्स को एक्सेस नहीं करेंगे। मसलन, लॉ-एन्फोर्समेंट एजेंसियों की गुजारिश पर या यूजर की ओर से रिपोर्ट की गई समस्या पर। लेकिन विशेषज्ञों का सवाल है कि अगर यूजर का डिवाइस कॉम्प्रोमाइज हो जाए या खुद इस सर्विस में ही ब्रीच हो जाए तो क्या होगा? आमतौर पर हमारे सोशल मीडिया एप्स, ईमेल, डेली-शॉपिंग लॉगिन और शॉपिंग के पैसे चुकाने में इस्तेमाल होने वाले बैंक अकाउंट, सभी के लॉगिन अलग-अलग होते हैं। प्रथमदृष्ट्या हम उम्मीद करते हैं कि वे सुरक्षित हैं, क्योंकि वे अलग-अलग हैं। लेकिन किसी एक सर्विस को इनमें से किसी एक या सभी लॉगिन तक एक्सेस देकर क्या हम कोई बड़ा जोखिम पैदा नहीं कर रहे? यह ऐसा ही है जैसे ऑफिस में आपका पर्सनल असिस्टेंट न सिर्फ आपका बैंक अकाउंट, बल्कि पैसे ट्रांसफर करने का पासवर्ड भी जानता हो। उस पर्सनल असिस्टेंट की वफादारी के बावजूद छोटी-सी संभावना बनी रहती है कि शायद उसका दिमाग बदल सकता है। इसी तरह म्यूज में हमारे सभी लॉगिन के लिए 'सिक्योर क्रेडेंशियल स्टोर' है। मेटा का कहना है कि इसकी मदद से एआई-एजेंट पासवर्ड देखे बिना उनका इस्तेमाल कर सकता है। लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि एआई-एजेंट मुश्किलें भी पैदा कर सकते हैं।

किसी ईमेल या वेबसाइट में ऐसे छिपे हुए प्रॉम्प्ट हो सकते हैं, जो बॉट्स को निर्देशों को नजरअंदाज कर निजी डेटा हैकर के अकाउंट्स पर भेजने के लिए कहें। अमेरिकन इकोनॉमिक लिबर्टीज प्रोजेक्ट के सीनियर लीगल काउंसिल ली हेप्नर कहते हैं कम से कम जब तक कोई विश्वसनीय विकल्प नहीं आता, 'मेटा के ट्रैक रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो यह भरोसा देता हो कि वे निजी जानकारी के प्रबंधक या कस्टोडियन बनेंगे।' म्यूज के शुरुआती यूजर्स निजी जानकारी के अप्रत्याशित रूप से लीक होने का जिक्र कर चुके हैं। टेक कमेंटेटर मैट रॉब ने हाल ही में बताया कि म्यूज ने उनके द्वारा बेचने के लिए पोस्ट किए गए एक आइटम की तय कीमत से कम कीमत संभावित खरीदार को बता दी और उसे उनके घर का पता भी दे दिया।

किसान और सरकार के संबंधों में एक मौलिक बदलाव आया है

पच्चीस वर्ष का समय पीछे मुड़कर यह देखने और समझने के लिए पर्याप्त होता है कि नरेंद्र मोदी के शासनकाल के- पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में- भारतीय कृषि के लिए क्या मायने हैं। यह यात्रा अक्टूबर 2001 में गुजरात से शुरू हुई थी, जब मोदी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, और मई



2014 में इसने एक राष्ट्रीय कैनवास का रूप ले लिया। गुजरात गाथा तो एक कृषि चमत्कार थी। 2001-02 से 2013-14 के बीच गुजरात की कृषि जीडीपी लगभग 9% प्रति वर्ष की दर से बढ़ी, जो प्रमुख राज्यों में सबसे अधिक थी। यह सफलता किसी एक योजना के दम पर नहीं मिली थी, यह पूरे इकोसिस्टम का परिणाम थी। गुजरात ने खेतों तक पानी पहुंचाने और प्रकृति द्वारा प्रदत्त जल को सहेजने में व्यापक निवेश किया। चेक डैम और खेत-तालाबों ने वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण में मदद की। नर्मदा नहर प्रणाली ने सिंचाई का विस्तार किया, जबकि माइक्रो-इरिगेशन ने किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन लेने में सक्षम बनाया। बिजली भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। ज्योतिग्राम योजना ने कृषि फीडरों को अलग किया और किसानों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराई। इससे सिंचाई अधिक सुनिश्चित हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार आया। इसके बाद सड़कों की बारी आई। हर मौसम में चालू रहने वाली ग्रामीण कनेक्टिविटी ने गांवों को बाजारों, बीज-खाद आपूर्तिकर्ताओं, विस्तार सेवाओं और कस्बों से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ा। एक दिलचस्प संस्थागत इनोवेशन ज्ञान को किसान तक पहुंचाने का प्रयास था। कृषि महोत्सव और कृषि रथ ने कृषि वैज्ञानिकों, विस्तार अधिकारियों और मिट्टी, पानी, तकनीक तथा उन्नत प्रथाओं से जुड़ी जानकारी को सीधे गांवों तक पहुंचाया। इसका मूल विचार यह था कि किसानों को ज्ञान के लिए संस्थानों तक जाने के बजाय कृषि-ज्ञान स्वयं किसानों तक पहुंचना चाहिए। पानी, बिजली, सड़क, तकनीक, कृषि-विस्तार और बाजार- जब ये सभी तत्व साथ आए तो किसानों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कृषि विकास का इंजन बन गई। जो भी राज्य अपने किसानों और अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाना चाहता है, उसके लिए यह आज भी एक अनुकरणीय मॉडल है। मोदी पीएम बने, तो यह कैनवास एक राज्य से बढ़कर पूरे देश तक फैल गया। गुजरात के अनुभवों को राष्ट्रीय कार्यक्रमों में ढाला गया। जल प्रबंधन पर ध्यान दिया गया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने वैज्ञानिक मिट्टी परीक्षण और सटीक पोषक तत्व प्रबंधन को मुख्यधारा में ला दिया। सिंचाई को अधिक एकीकृत दृष्टिकोण मिला, जिसमें वाटरशेड विकास, सूक्ष्म सिंचाई और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' पर अधिक बल दिया गया। अमृत सरोवर पहल ने जल संपत्तियों के निर्माण व कायाकल्प के प्रयासों को नया आयाम दिया। इन सभी पहलों के पीछे का अंतर्निहित सिद्धांत भारत के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। पानी केवल एक कृषि इनपुट नहीं है; वह कृषि विकास का प्रमुख स्रोत है। मोटे अनाजों (मिलेट्स) को प्रोत्साहन के मोर्चे पर मोदी के प्रयासों को व्यापक समाज का समर्थन भी मिला है, जिसका प्रमाण मिलेट्स की बढ़ती लोकप्रियता है। पीएम-किसान ने किसानों के हाथों में सीधी आय पहुंचाई। जून 2026 तक, 23 किश्तों के जरिए 4.46 लाख करोड़ से अधिक की राशि स्थानांतरित की जा चुकी है। इसका महत्व सरकार और किसान के बीच प्रत्यक्ष, डिजिटल और पारदर्शी वित्तीय माध्यम स्थापित करने में है, जिसने बिचौलियों के प्रभाव को समाप्त कर दिया। सहकारिता क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इसका अलग मंत्रालय बनाया गया।

गुजरात के अनुभव को देखते हुए यह स्वाभाविक भी है, जहां सहकारिता का इकोसिस्टम मौजूद है। मोदी के 25 वर्षों के कार्यों पर दृष्टि डालें, तो कृषि विकास की एक गहरी अवधारणा स्पष्ट दिखाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में कृषि को जमीनी स्तर से समझा और राष्ट्रीय स्तर पर पिछले बारह वर्षों में उन विचारों में से कई को बड़े पैमाने पर लागू किया है। साथ ही कई नई और दूरदर्शी नीतिगत दिशाएं भी सामने आई हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अशोक गुलाटी)

इलेक्ट्रिसिटी; एक सर्विस या जान लेने का लाइसेंस?

दिवाली के दीये हमारे घरों-गलियों को रोशन करें, इससे पहले ही दुकानों, बाजारों और इमारतों पर लगी डेकोरेटिव लाइटें देशभर में रौनक बिखेरने लगी हैं। रंग-बिरंगी रोशनियां त्योहार से पहले ही इस 'फेस्टिवल ऑफ लाइट' के आने का ऐलान कर देती हैं। इस मैजिक का श्रेय इलेक्ट्रिसिटी को जाता है। लेकिन क्या हम इस शानदार सर्विस के इतने आदी हो गए कि यह भी भूल गए कि लापरवाही से इस्तेमाल होने पर यह कितनी खतरनाक हो सकती है? दो हालिया घटनाओं ने मुझे यह सवाल पूछने पर मजबूर कर दिया। बेंगलुरु में एक फाइव स्टार होटल के स्विमिंग पूल में संदिग्ध इलेक्ट्रिक करंट के बाद दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई, दो अन्य घायल हुए। कथित तौर पर पूल में उतरते ही एक व्यक्ति चीख पड़ा। उसे बचाने आए दूसरे व्यक्ति को भी करंट लगा। मदद को पहुंचे पूल अटेंडेंट और एक गेस्ट को भी झटके लगे। आराम देने वाली जगह अचानक मौत की जगह बन गई। एक अन्य घटना में हैदराबाद के पास धान के खेत के चारों ओर लगाई बिजली की अवैध तारबंदी की चपेट में आने से इंजीनियरिंग के दो 20 वर्षीय छात्रों की मौत हो गई। किसान ने जंगली सूअरों से फसल बचाने के लिए यह तार लगाए थे। दोनों युवक बर्थडे मना रहे एक ग्रुप में थे और कथित तौर पर पुलिस पेट्रोलिंग व्हीकल देखकर खेत में भाग गए।इन दोनों त्रासदियों की परिस्थितियां अलग हैं। लेकिन एक चीज समान थी- बिजली, या कहें कि वो तरीका, जिससे इंसान इसे यूज करने लगे हैं। 20 से 25 हजार रुपए प्रति कमरा चार्ज करने वाला इलेक्ट्रिकल-सेफ्टी कौन जांचता है और कितनी बार? क्या फायर-सेफ्टी इंस्पेक्शन की तरह समय-समय पर इलेक्ट्रिकल-सेफ्टी ऑडिट नहीं होनी चाहिए? दूसरी घटना ज्यादा मुश्किल सवाल खड़े करती है। कोई व्यक्ति खेत के चारों ओर बिजली का नंगा तार कैसे लगा सकता है, जबकि जानता है कि इसे टच करने पर किसी की भी जान जा सकती है? जानवरों से फसल बचाने का मतलब क्या ऐसी जानलेवा बाउंड्री बनाने का लाइसेंस मिलना है? कौन इसकी मंजूरी देता है और कौन यह सुनिश्चित करता है कि खेती के लिए दी जाने वाली बिजली का गलत इस्तेमाल न हो? हमें खुद से भी एक सवाल पूछना चाहिए। हमने अपने घरों, सड़कों, इंडस्ट्री, खेतों के लिए जंगल, चरागाह और प्राकृतिक आवास छीन लिए हैं। कभी खुले घूमने वाले जानवर भोजन की तलाश में खेतों में घुस रहे हैं। अपने सर्वाइवल के लिए उनकी जमीनें लेने के बाद क्या अब हम यह मानते हैं कि जब वे अपने पुराने आवास में लौटें तो हमें उन्हें मारने का अधिकार है? और देखिए, यह सोच हमें कहां ले जा रही है। जंगली सूअर मारने को लगाया गया तार हमारे ही बच्चों की जान ले बैठा। त्रासदी यह है कि ये तार फसल बर्बाद करने वाले जानवर और गलती से उसे छूने वाले इंसान में फर्क नहीं कर सकते। शायद अब समय आ गया है कि हम अलग-अलग घटनाओं के परे यह देखें कि बिजली की सप्लाई और इस्तेमाल कैसे हो रहा है। क्या इसके लिए एक स्पष्ट लीगल फ्रैमवर्क नहीं होना चाहिए, जिसमें अनुमत उपयोग, अनिवार्य सेफ्टी डिवाइसेज, इंस्पेक्शन और दुरुपयोग की जवाबदेही तय हो? बिजली बोर्डों, स्थानीय निकायों, कृषि विभागों और बिल्डिंग रेगुलेटर्स को मिलकर काम करना होगा।

ट्रम्प के 2 साल के कामकाज हिसाब- दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत दांव पर, हारे तो पावरलेस राष्ट्रपति बन जाएंगे

वॉशिंगटन डीसी।2. इमिग्रेशन और अवैध प्रवासीः-ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के पहले 18 महीनों में करीब 9.8 लाख लोगों को डिपोर्ट



किया गया। मेक्सिको बॉर्डर पर अवैध घुसपैठ 95फीसदी घटी। लेकिन छापेमारी और बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को भी निकालने का विरोध हो रहा है। डेमोक्रेट्स का आरोप है कि इससे परिवार बिछड़ रहे हैं, जबकि खेती और निर्माण जैसे क्षेत्रों में मजदूरों की कमी हो सकती है।3. टैरिफ और नौकरियांः-ट्रम्प ने टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों और नौकरियों को फायदा पहुंचाने का वादा किया था। लेकिन इससे गाड़ियों, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ों और निर्माण सामग्री की कीमतें 12फीसदी से 18फीसदी तक बढ़ने का दावा है। टैरिफ से अमेरिकी परिवारों का खर्च बढ़ा है और दूसरे देशों के जवाबी टैरिफ से किसानों के सोयाबीन और मक्का कारोबार पर असर पड़ा है। 4. गर्भपात का अधिकार और महंगा इलाजः- केएफएफ के सर्वे के मुताबिक, 68फीसदी महिला वोटरों और 18 से 29 साल के 74फीसदी युवाओं के लिए गर्भपात का अधिकार बड़ा चुनावी मुद्दा है। डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि महिलाओं को गर्भपात कराने का कानूनी अधिकार पूरे देश में मिले। वहीं, रिपब्लिकन चाहते हैं कि हर राज्य खुद तय करे कि वहां गर्भपात की अनुमति होगी या नहीं। वहीं, ओबामाकेयर के तहत 2.13 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा का लाभ लेते हैं। सरकारी मदद घटने पर बीमा महंगा होने का मुद्दा भी चुनाव में अहम है। सीनेट की 5 सीटों पर कड़ा मुकाबलाः-1. टेक्सासः रिपब्लिकन केन पैक्सटन और डेमोक्रेट जेम्स टैलारिको के बीच मुकाबला बराबरी का है। अक्टूबर के दो सर्वे में दोनों को 49फीसदी वोट मिले, जबकि एक अन्य सर्वे में टैलारिको 3.8 पॉइंट आगे हैं। 2. ओहायोः रिपब्लिकन जॉन हस्टेड का मुकाबला डेमोक्रेट शेरोड ब्राउन से है। सर्वे में ब्राउन 4 से 6 पॉइंट आगे हैं। यह सीट रिपब्लिकन के लिए बहुमत बचाने के लिहाज से अहम है। 3. नॉर्थ कैरोलाइनाः डेमोक्रेट रॉय कूपर सर्वे में 52फीसदी वोट वेः साथ रिपब्लिकन माइकल वाटले से 13 पॉइंट आगे हैं। माइकल को 39फीसदी वोट मिले हैं। 4. मिशिगनः डेमोक्रेट अब्दुल अल-सईद को रिपब्लिकन माइक रोजर्स के मुकाबले मामूली बढ़त मिली है। सर्वे में अल-सईद 50फीसदी और रोजर्स 48फीसदी पर हैं। 5. मेनः डेमोक्रेट ट्रॉय जैक्सन सर्वे में 49फीसदी वोट वेः साथ रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स (47फीसदी) से आगे हैं। कॉलिन्स को 47फीसदी वोट मिले हैं। समोसा कॉकसः 6 भारतवंशी मैदान में, रामास्वामी भी रेस मेंः-अमेरिका में भारतीय मूल के नेताओं को समोसा कॉकस कहा जाता है। मौजूदा सदस्य अमी बेरा, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम कैलिफोर्निया, वॉशिंगटन और वर्जीनिया से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। एरिजोना से अमीश शाह और फ्लोरिडा से पिया डांडिया भी हाउस उम्मीदवार हैं। सभी छह डेमोक्रेट हैं। इस बार दो सीटों पर भारतीय मूल के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। कैलिफोर्निया में रो खन्ना का मुकाबला रिपब्लिकन रितेश टंडन से है। वहीं, वॉशिंगटन में प्रमिला जयपाल के सामने रिपब्लिकन नीरव शेठ हैं।

राजा कृष्णमूर्ति सीनेट चुनाव की डेमोक्रेटिक प्राइमरी हार गए, जबकि श्री थानेदार हाउस की प्राइमरी में हारकर बाहर हो गए। अमीश शाह और पिया डांडिया जीतते हैं तो समोसा कॉकस की संख्या छह बनी रह सकती है। वहीं, रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ओहायो से गवर्नर उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला डेमोक्रेट एमी एक्टन से है। जीतने पर वे बॉबी जिंदल और निक्की हेली के बाद अमेरिका के तीसरे भारतीय मूल के गवर्नर होंगे।

जंगलों की आग ने ख़राब किये 3 देशों के रिश्ते, इंडोनेशिया के जहरीले धुएं से मलेशिया-सिंगापुर परेशान, विरोध करने पर गैस सप्लाई घटाई

जकार्ता।उनका कहना है कि सरकार को पहले से पता था कि इस साल अल नीनो के



कारण सूखे की स्थिति गंभीर होगी। इसके बावजूद धुएं से निपटने की पर्याप्त तैयारी नहीं की गई।इंडोनेशिया के अधिकारी के बयान से बढ़ा विवादः-इस बीच इंडोनेशिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जंगलों में लगने वाली आग पर इंसानों का नियंत्रण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देशों सिंगापुर और मलेशिया को मिलने वाली ऑक्सीजन भी इंडोनेशिया के जंगलों से आती है। इस बयान पर सिंगापुर ने नाराजगी जताई। वहां के वरिष्ठ मंत्री के. शनमुगम ने इसे निराशाजनक और गलत बताया। उन्होंने कहा कि जहरीले धुएं से लोगों की सेहत को गंभीर नुकसान हो रहा है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। शनमुगम ने कहा कि इस समस्या से दोनों देशों के नागरिक प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए इसे आपसी विवाद का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इंडोनेशिया के लोग भी प्रदूषण से परेशान हैं। ऐसे में आग लगाने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करना इंडोनेशिया के भी हित में है। इंडोनेशिया ने पहले धमकी दी फिर गैस सप्लाई रोकीः-विवाद के कुछ दिन बाद इंडोनेशिया ने सिंगापुर को गैस का निर्यात कम करने का ऐलान किया। सरकार ने इसकी वजह अपने देश में ऊर्जा की बढ़ती जरूरत बताई। इंडोनेशिया के कुछ हिस्सों में बिजली की कमी भी सामने आई है। हालांकि, इस फैसले को सिंगापुर की आलोचना के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले इंडोनेशिया के ऊर्जा मंत्री ने चेतावनी दी थी कि जो देश इंडोनेशिया का सम्मान नहीं करेंगे, उनकी गैस सप्लाई रोकी जा सकती है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने भी जंगलों में आग के मुद्दे पर उन देशों का जिक्र किया था, जो इंडोनेशिया का अपमान करते हैं। सिंगापुर का कहना है कि गैस सप्लाई में यह कटौती उसकी कुल रोजाना जरूरत के 2फीसदी से भी कम है। इसलिए इससे उसकी ऊर्जा आपूर्ति पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। मलेशिया इंडोनेशिया से टकराव क्यों नहीं चाहता?सिंगापुर के मुकाबले मलेशिया ने इस मामले में नरम रुख अपनाया है। मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हसन ने इंडोनेशिया के खिलाफ औपचारिक राजनयिक विरोध दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई करने से इनकार किया है। उनका कहना है कि ऐसा करने का मतलब दोनों देशों के रिश्ते तोड़ने की दिशा में बढ़ना होगा। इसकेः बजाय मलेशिया इंडोनेशिया के साथ जंगलों में आग रोकने के लिए समझौता करने पर विचार कर रहा है। वह आसियान के 2003 में लागू हुए उस समझौते का भी सहारा लेना चाहता है, जिसके तहत दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों को सीमा पार फैलने वाले धुएं से निपटने के लिए मिलकर काम करना है। हालांकि, इस समझौते की प्रभावशीलता पर सवाल उठते रहे हैं। इसमें आग लगाने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाने या किसी देश की सरकार को उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर करने का प्रावधान नहीं है। मलेशिया के नरम रुख की एक वजह उसका अपना कारोबार भी है।

वह खुद पाम ऑयल का बड़ा उत्पादक देश है। इस कारोबार के लिए जंगलों को साफ करने की प्रक्रिया को भी आग लगने की घटनाओं से जोड़ा जाता है। ऐसे में इंडोनेशिया पर ज्यादा दबाव बनाने से उसके अपने तौर-तरीकों पर भी सवाल उठ सकते हैं।

यूक्रेन में राहत केंद्र पर रूसी हमला जिसमे 24 की मौत,जेलेंस्की बोले- रूस तनाव कम करना नहीं चाहता

जापोरिज्जिया। दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया में सोमवार को रूसी हवाई हमले में 24 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के मुताबिक, हमला कोमिशुवाखा बस्ती में हुआ। यहां एक स्कूल में राहत सामग्री बांटने का केंद्र चल रहा था और पास में ही शेल्टर था। जेलेंस्की ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि हमले में दो राहतकर्मी और चार पुलिसकर्मी भी मारे गए। उन्होंने इसे बेहद भयावह बताया। 29 अक्टूबर को यूक्रेन के तीसरे सबसे बड़े शहर दनीप्रो के एक रेलवे स्टेशन पर ड्रोन हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई थी। यूक्रेन में नागरिक



ठिकानों पर बढ़े हमलेः-रूस ने नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले बढ़ा दिए हैं। इनमें रिटेल चेन, लॉजिस्टिक्स ढांचा और रिहायशी इमारतें शामिल हैं। ये हमले ऐसे समय हो रहे हैं, जब यूक्रेन में रूसी सेना को पिछले महीने रिकॉर्ड नुकसान हुआ। इस दौरान रूसी सेना ने कुछ इलाकों पर अपना कब्जा भी खोया। सितंबर में नागरिक मौतें 85फीसदी बढ़ीं:- यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में यूक्रेन में नागरिकों की मौतें 85फीसदी बढ़ीं। रूस के 2022 में पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद यह सितंबर का सबसे बड़ा आंकड़ा था। उस महीने हुए हमलों में आधे से ज्यादा नागरिक मौतों के लिए लंबी दूरी की मिसाइलें और ड्रोन जिम्मेदार थे।

वोटिंग से कुछ घंटो पहले अमेरिका का ईरान पर हमला किये 5 धमाके- ईरान ने दो अमेरिकी जासूसी ड्रोन गिराने का दावा किया

तेहरान।उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि ईरान के साथ बड़े युद्ध की आशंका कम होने से तेल की कीमतों में करीब 10 डॉलर प्रति



बैरल की गिरावट आई है। ट्रम्प ने इसे रिकॉर्ड गिरावट बताया। 31 अक्टूबर को तेल की कीमतें 118 डॉलर प्रति बैरल थीं। 1 नवंबर को यह 108 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं। ईरान युद्ध की पूरी टाइमलाइनः-1. युद्ध की शुरुआतः अमेरिका और इजराइल का ईरान पर हमला (28 फरवरी 2026) अमेरिका ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' और इजराइल ने 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' शुरू किया। दोनों देशों ने ईरान के परमाणु ठिकानों, मिसाइल ठिकानों, सैन्य अड्डों और कमांड सेंटरों को निशाना बनाया। हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई बड़े सैन्य अधिकारी मारे गए। इससे ईरान में सत्ता का संकट पैदा हो गया। अमेरिका और इजराइल ने इन हमलों का मकसद ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमता को कमजोर करना बताया। 2. ईरान का पलटवारः इजराइल और खाड़ी देशों तक फैला युद्धः- अमेरिकी और इजराइली हमलों के जवाब में ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से इजराइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय सहित कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और अन्य खाड़ी देशों में भी हमले हुए। 3. होर्मुज स्ट्रेट पर संकटः दुनिया में तेल की सप्लाई प्रभावितः-ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में शामिल होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही रोकने या सीमित करने की कार्रवाई की। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हुई। जवाब में अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों और वहां आने-जाने वाले जहाजों की नौसैनिक नाकाबंदी कर दी। कई जहाजों को रास्ता बदलना पड़ा और समुद्री व्यापार पर दबाव बढ़ा। तेल की सप्लाई प्रभावित होने से दुनिया भर में ऊर्जा संकट और महंगाई का खतरा बढ़ गया। इस संघर्ष का असर भारत समेत तेल आयात करने वाले देशों पर भी पड़ा। 4. युद्धविराम और शांति वार्ता की कोशिशें (अप्रैल-जून 2026):- पाकिस्तान की मध्यस्थता से 8 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम पर सहमति बनी। इसके बाद 11-12 अप्रैल को दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने इस्लामाबाद में बातचीत की, लेकिन परमाणु कार्यक्रम समेत कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद जून में पाकिस्तान की मध्यस्थता से दोनों पक्षों के बीच एक समझौता ज्ञापन तैयार हुआ। इसका मकसद अगले 60 दिनों में व्यापक समझौते के लिए बातचीत का रास्ता खोलना था। हालांकि, युद्धविराम के बावजूद दोनों पक्षों के बीच तनाव और हमले जारी रहे। अगस्त तक यह समझौता भी प्रभावी नहीं रह सका। 5. 47 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च, हजारों मौतें; अब भी तनाव जारीः-अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक, ईरान युद्ध में अमेरिका का सैन्य खर्च 47 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। इसमें हथियारों और सैन्य उपकरणों को बदलने का खर्च भी शामिल है। युद्ध में ईरान, लेबनान और खाड़ी देशों में हजारों लोग मारे गए हैं। बड़ी संख्या में लोग घायल और विस्थापित हुए हैं। तेल और समुद्री व्यापार पर भी इसका असर पड़ा है। कतर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। दोनों देशों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने को लेकर सहमति बनाने की कोशिश हो रही है।हालांकि, 2 नवंबर को दोहा में हुई बातचीत बिना किसी ठोस समझौते के खत्म हुई। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से सैन्य संघर्ष शुरू होने का खतरा बना हुआ है।

चीनी इक्विपमेंट रोककर दुनिया पर बना रहा दबाव, भारत को सुरंग मशीनें मिलने में दिक्कत, अमेरिका की एआई-चिप इंडस्ट्री पर भी असर

नयी दिल्ली।राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यह रणनीति कई साल पुरानी है। कोरोना महामारी के दौरान चीन को एहसास हुआ कि वह वेंटिलेटर, मरीजों को जिंदा रखने वाली मशीनों, कच्चे माल और खास पुर्जों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है। इसके बाद जिनपिंग ने चीन को आत्मनिर्भर बनाने की



योजना शुरू की। उन्होंने हाई-स्पीड ट्रेन, रिन्यूएबल एनर्जी और टेलीकम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों में ऐसी तकनीक विकसित करने पर जोर दिया, जिन्हें चीन अपनी ताकत बना सके। उन्होंने इन तकनीकों को 'ट्रम्प कार्ड' यानी तुरुप का पत्ता बताया था। भारत में सुरंग खोदने वाली मशीन बनाने की अपीलः- भारत, अमेरिका, यूरोप और जापान अब इस निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत में भी सड़क परिवहन मंत्री कंपनियों से देश में ही सुरंग खोदने वाली मशीनें बनाने की अपील कर चुके हैं। यूरोप और जापान भी एंटीबायोटिक और दूसरी दवाओं के जरूरी तत्वों के लिए चीन पर निर्भरता घटाना चाहते हैं। अमेरिका अपने यहां दुर्लभ खनिजों की खुदाई और उन्हें इस्तेमाल लायक बनाने का काम दोबारा शुरू करना चाहता है। इन खनिजों का इस्तेमाल आधुनिक तकनीक और हथियार बनाने में होता है। पश्चिम से टकराव के लिए अपनी ताकत बढ़ा रहा चीनः-शी जिनपिंग मानते हैं कि पश्चिमी देश चीन की बढ़ती ताकत को रोकना चाहते हैं। चीन की राजनीति पर रिसर्च करने वाली कंपनी 'असडल एडवाइजरी' की संस्थापक कर्स्टन असडल के मुताबिक, जिनपिंग और उनकी पार्टी पश्चिमी देशों के साथ टकराव को तय मानते हैं। वे ऐसे मौके का इंतजार कर रहे हैं, जब उनके पास इसका सामना करने की वजह और क्षमता दोनों हों। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने औद्योगिक और तकनीकी ताकत बढ़ाने को देश के अस्तित्व की लड़ाई के तौर पर पेश किया है। इसके लिए वह अपने क्रांतिकारी इतिहास का भी सहारा ले रही है। पिछले कुछ दिनों से पार्टी बार-बार 'लॉन्ग मार्च' का जिक्र कर रही है। यह चीन की रेड आर्मी की करीब 6 हजार मील लंबी रणनीतिक वापसी की यात्रा थी। इसने माओत्से तुंग के नेतृत्व को मजबूत किया था। बाद में पार्टी ने इसे मुश्किल हालात में जीत हासिल करने की मिसाल के तौर पर पेश किया। पार्टी इस इतिहास के जरिए लोगों को भरोसा दिलाना चाहती है कि उसके नेतृत्व में चीन हर मुश्किल से निकल सकता है। देश इस समय धीमी आर्थिक विकास दर, लंबे समय से चल रहे प्रॉपर्टी संकट और दूसरे देशों की नाराजगी का सामना कर रहा है। 'लॉन्ग मार्च' की 90वीं वर्षगांठ पर सरकारी अखबार 'पीपुल्स डेली' ने संपादकीय में चीन से अहम तकनीकों पर पकड़ मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनने की अपील की। इसमें अमेरिकी टैरिफ और व्यापार युद्ध का सामना करने का जिक्र करते हुए लोगों से आने वाले समय में एक 'बड़े संघर्ष' के लिए तैयार रहने को भी कहा गया। चीन बोला- देश की रक्षा के लिए प्रतिबंध जरूरीः-चीन ने सोलर उपकरण बनाने के क्षेत्र में दबदबा कायम करने के लिए कई दशक और अरबों डॉलर खर्च किए हैं। अब वह इस क्षेत्र की अहम मशीनों और तकनीक को दूसरे देशों में भेजने पर रोक लगाना चाहता है, ताकि दूसरे देश उसकी सप्लाई चेन की नकल करके वैसा ही उद्योग खड़ा न कर सकें। पिछले महीने वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि सुरंग खोदने वाली मशीनों का इस्तेमाल नागरिक और सैन्य, दोनों तरह के कामों में हो सकता है। इसलिए इनके निर्यात पर नियंत्रण जरूरी है। बीजिंग में रहने वाले अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ सुन चेंगहाओ ने कहा कि चीन अब यह तय कर रहा है कि कौन-सी तकनीक किस देश को बेची जाए और उसका इस्तेमाल किस काम में होगा। चेंगहाओ ने कहा कि एआई का इस्तेमाल साइबर हमलों में हो सकता है। इसी तरह, सुरंग खोदने और समुद्र या नदी से कीचड़ निकालने वाली मशीनों का इस्तेमाल भी चीन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में किया जा सकता है। चीन ने अमेरिका से ही सीखे आर्थिक हथियारों के इस्तेमाल के तरीकेः- एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीन ने अमेरिका के प्रतिबंधों से सीखा है कि बड़ी ताकत बनने के लिए सिर्फ विमानवाहक पोत और लंबी दूरी की मिसाइलें काफी नहीं हैं। दूसरे देशों पर आर्थिक दबाव बनाने की ताकत भी जरूरी है। अमेरिका ने पहले चीन की कंपनियों हुआवेई और ज़ेडटीई को अमेरिकी चिप और सॉफ्टवेयर मिलने पर रोक लगाई। बाद में चीन को आधुनिक चिप के निर्यात पर भी बड़े प्रतिबंध लगाए। इनसे चीन की एआई तकनीक को आगे बढ़ाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा है। चीन ने भी ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में शुरू हुए व्यापार युद्ध के दौरान अमेरिका को दुर्लभ खनिजों का निर्यात रोक दिया था। इनका इस्तेमाल लड़ाकू विमान, कार और कई आधुनिक तकनीकें बनाने में होता है। इस कदम से अमेरिका पर दबाव बढ़ा और उसे व्यापार तनाव कम करने के लिए सहमति देनी पड़ी। हालांकि, चीन के कुछ विश्लेषकों को लगता है कि इस रणनीति का दूसरा असर भी हुआ। अमेरिका और उसके सहयोगी देश अब दुर्लभ खनिजों के लिए चीन के अलावा दूसरे स्रोत तलाश रहे हैं, ताकि उस पर उनकी निर्भरता कम हो सके।

भारत विरोधी राजनीति पर राष्ट्रपति मुइज्जू को चेतावनी देने के बाद अब मालदीव के विपक्षी नेता अब्दुल्ला शाहिद गिरफ्तार,नाबालिग से यौन शोषण का हैं आरोप

माले।यह विवाद तब और बढ़ गया, जब मुइज्जू ने 20 से 22 अक्टूबर के बीच पाकिस्तान का पहला दौरा किया। 11 साल बाद मालदीव के किसी राष्ट्रपति का



यह पहला पाकिस्तान दौरा था। तीन दिन की यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई। मुइज्जू की इस यात्रा को लेकर विपक्षी नेताओं ने चिंता जताई। उनका कहना था कि पाकिस्तान के साथ करीबी संबंध बढ़ाने के मालदीव की रणनीति पर असर पड़ सकता है। एमडीपी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के लिए प्रचार कर रहे शाहिद ने आरोप लगाया कि मुइज्जू 2023 के चुनाव जैसा एक और भारत विरोधी अभियान शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। मुइज्जू की पाकिस्तान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 20 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, कृषि, साइबर सुरक्षा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी कर रहे थेः-अब्दुल्ला शाहिद मालदीव के प्रमुख राजनेताओं और राजनयिकों में शामिल हैं। उन्होंने मालदीव सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में कई बड़े पदों पर काम किया है। शाहिद 17 नवंबर 2018 से 16 नवंबर 2023 तक मालदीव की तत्कालीन एमडीपी सरकार में विदेश मंत्री रहे। इस दौरान वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश के प्रमुख राजनयिक चेहरों में शामिल हो गए थे। 2021 में शाहिद संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए थे। उन्होंने सितंबर 2021 से सितंबर 2022 तक इस पद पर काम किया। इस पद पर उनका चुना जाना मालदीव के लिए बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि थी। इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस छोटे से हिंद महासागरीय देश की पहचान और मजबूत हुई। 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में एमडीपी की हार के बाद पार्टी विपक्ष में आ गई। इसके बाद 20 फरवरी 2024 को अब्दुल्ला शाहिद को एमडीपी का अध्यक्ष चुना गया। वे निर्विरोध इस पद पर चुने गए थे। शाहिद की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब वे 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में एमडीपी का उम्मीदवार बनने के लिए प्रचार कर रहे थे।

7 यूरोपियन देशों के सुपरमार्केट पर साइबर अटैक,फ्रिज-फ्रीजर का तापमान 70डिग्री तक बढ़ाया,बड़ी मात्रा में खाना खराब

स्टॉकहोम।सुबह 5:30 बजे इसका पता चला। तब तक स्टोर के सभी फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका



था और उनमें रखा सामान खराब हो गया था। स्वीडन के अखबार आफ्टनब्लाडेट के मुताबिक, कूप



के 6 स्टोर में भी ऐसा ही हुआ। देश की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी इन मामलों की जांच कर रही है। नीदरलैंड में 17 कंपनियों के सिस्टम पर हमलाः-एस्टोनिया में सेल्वर सुपरमार्केट का एक स्टोर प्रभावित हुआ। वहां फ्रिज का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। नीदरलैंड में कम से कम 17 कंपनियों के फ्रिज और फ्रीजर को निशाना बनाया गया। हालांकि, इन कंपनियों के नाम नहीं बताए गए हैं। लक्जमबर्ग में डेलहाइज ने एहतियात के तौर पर अपना ऑर्डर सिस्टम बंद कर दिया। फिनलैंड के मीडिया के मुताबिक, वहां के कई के-ग्रुप सुपरमार्केट भी प्रभावित हुए। फ्रिज को डीफ्रॉस्ट मोड में डालकर बढ़ाया तापमानः-बेल्जियम की कंपनी सबकोबेल के सीईओ स्टीफन मोएलांस के मुताबिक, यह हमला फ्रांस में हुए पिछले हमले जैसा था। तब हैकर्स ने फ्रिज की कूलिंग यूनिट को डीफ्रॉस्ट मोड में डाल दिया। इस मोड में फ्रिज की बर्फ पिघलाने के लिए कूलिंग बंद हो जाती है। इससे तापमान बढ़ने लगा। मोएलांस ने बताया कि इस गड़बड़ी को सिर्फ सॉफ्टवेयर अपडेट से ठीक नहीं किया जा सकता। इसके लिए फ्रिज के सिस्टम में कुछ बदलाव भी करने होंगे। किसी हैकर ग्रुप ने जिम्मेदारी नहीं लीः-आजकल सुपरमार्केट के फ्रिज और फ्रीजर को इंटरनेट के जरिए दूर बैठकर कंट्रोल किया जा सकता है। इसी वजह से इनमें खराबी आने या हैक होने पर दुकानों का पूरा सामान खराब हो सकता है। यूरोपीय आयोग के एक प्रवक्ता ने कहा कि इन घटनाओं से पता चलता है कि साइबर अटैक का असर सिर्फ कंपनियों पर नहीं, बल्कि आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ सकता है।फिलहाल किसी हैकर ग्रुप ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। फ्रांस में पिछले महीने हुए हमलों के पीछे कौन था, इसका भी पता नहीं चला है।

बेटा अपने खिलौने किसी को नहीं देता:क्या 5 साल की उम्र में ये नॉर्मल है या हमारी गलती है, उसे शेयरिंग कैसे सिखाएं

मुंबई। सवाल- मैं 33 साल की हूं। मेरा 5 साल का बेटा दोस्तों के साथ खेलते समय अपने खिलौने शेयर नहीं करता। अगर कोई बच्चा उसका खिलौना लेने की कोशिश करे तो वह तुरंत गुस्सा हो जाता है और कहता है, 'ये मेरा है।' हम उसे समझाते हैं कि दोस्तों के साथ खिलौने



को अपनी हर चीज दूसरों के साथ शेयर करनी चाहिए। लेकिन हेल्दी सोशल बिहेवियर का मतलब यह नहीं है कि बच्चे को हर बार अपनी चीज छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी सीखना है कि किसी की चीज लेने से पहले अनुमति मांगनी चाहिए। इसलिए अगर दूसरा बच्चा उसके हाथ से खिलौना छीन रहा है तो पेरेंट्स केवल अपने बच्चे को ''शेयर करो'' न कहें। दूसरे बच्चे को भी समझाएं- ''पहले पूछो, फिर खिलौना लो।'' इससे बच्चा सीखता है कि दूसरों की सीमाओं का सम्मान करना भी



उतना ही जरूरी है, जितना अपनी चीज शेयर करना। बच्चे को शेयरिंग सिखाने का सही तरीका शेयर करने की आदत आदेश देने से नहीं, अभ्यास से विकसित होती है। इसके लिए घर में छोटे-छोटे मौके बनाएं।



उदाहरण के लिए- बच्चे को स्नैक देते समय पूछें- 'क्या तुम इसमें से थोड़ा पापा को देना चाहोगे?' अगर वह मना करे तो उसे शर्मिंदा न करें। बोर्ड गेम, गेंद या दूसरे खेलों में 'मेरी बारी-तुम्हारी बारी' का अभ्यास कराया जा सकता हैं। इससे बच्चा समझता है कि शेयर करने का अर्थ अपनी चीज हमेशा के लिए छोड़ देना नहीं है। कई बार इसका अर्थ केवल कुछ समय के लिए अपनी बारी देना होता है। 'यह खिलौना अभी दोस्त को दो' कहने की बजाय बच्चे को दो विकल्प दें। उदाहरण के लिए- 'तुम यह कार अभी देना चाहते हो या पांच मिनट बाद?' इससे बच्चे को नियंत्रण का अनुभव होता है। अगर कुछ खिलौने उसके लिए स्पेशल हैं तो खेलने से पहले उन्हें अलग रख देना भी अच्छा तरीका है। उसे बताएं- 'ये तुम्हारे खास खिलौने हैं। इन्हें अभी हम अलमारी में रख देते हैं। बाकी खिलौनों से दोस्त खेल सकते हैं।' इससे हर मुलाकात में संघर्ष कम होगा। बच्चे को शेयरिंग सिखाने के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं- बच्चे को साझेदारी कैसे सिखाएं? अपनी चीजें शेयर करें। घर से शुरुआत करें। साथ मिलकर खेलें। बच्चे से चीजें उधार मांगें। जैसेकि पेंसिल, पेन, कटर यूज करके

घर में बच्चे की हर डिमांड तुरंत पूरी होती है या उसे कभी इंतजार करना नहीं पड़ता तो उसे अपनी इच्छा रोकना कठिन लग सकता है। दूसरी तरफ, अगर घर में उसकी चीजें बार-बार बिना पूछे इस्तेमाल की जाती हैं तो वह उन्हें लेकर ज्यादा पजेसिव हो सकता है। बच्चे इस उम्र में उपदेश से ज्यादा देखकर सीखते हैं। इसलिए पहले पेरेंट्स खुद रोल मॉडल बनें। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- पेरेंट्स खुद रोल मॉडल कैसे बनें? पहले सही काम खुद करें। अपनी चीजें शेयर करें। बोलकर नहीं, अपने एक्शन से। बच्चे के सामने उदाहरण रखें। लेकिन उसकी परमिशन लें। बच्चे के सामने शांत प्यार और धैर्य से पेश आएं। बच्चे की चीजें भी लें। यूज करके सुरक्षित लौटाएं। अंतिम बात- अभी आपका बेटा 5 साल का है। आपका लक्ष्य बच्चे को हर चीज शेयर करवाना नहीं, बल्कि उसे साझा करना, बारी का इंतजार करना, अपनी सीमा बताना, दूसरे की सीमा समझना और गुस्से को संभालना सिखाना है। पांच साल की उम्र में ये स्किल्स अभी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए धैर्य, नियमित अभ्यास और माता-पिता का सही उदाहरण डांट से ज्यादा प्रभावी रहेगा।

सिखाएं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- रिद्धि दोषी पटेल, चाइल्ड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले समझना जरूरी है कि यह अपने आप में स्वार्थी व्यवहार नहीं है। दरअसल, इस उम्र में बच्चा अपनी पसंद, अपनी चीजों और अपनी सीमाओं को लेकर काफी स्पष्ट होता है। वह यह समझने लगता है कि 'यह मेरा है,' लेकिन वह अभी कई चीजें सीख रहा होता है, जैसेकि-परिस्थिति के अनुसार अपनी इच्छा को रोकना। दूसरे की जरूरत समझना। बारी का इंतजार करना। ऐसे में जब बच्चा किसी दूसरे बच्चे को अपना खिलौना देने से मना करे तो पेरेंट्स को तुरंत ये बातें नहीं कहनी चाहिए, जैसेकि- 'तुम स्वार्थी हो।' 'तुम बहुत जिद्दी हो।' 'अच्छे बच्चे शेयर करते हैं।' इससे बच्चे को यह मैसेज मिलता है कि अपनी चीजों या भावनाओं को व्यक्त करना गलत है। असल वजह समझना जरूरी- कई बार बच्चे को खिलौना शेयर करने से ज्यादा परेशानी इस बात से होती है कि दूसरा बच्चा उसकी चीज बिना पूछे ले रहा है। दोनों परिस्थितियों में अंतर है। ऐसे में बच्चे से पूछें- 'तुम अभी यह खिलौना किसी को नहीं देना चाहते?' या 'तुम्हें डर है कि दूसरा बच्चा इसे खराब कर देगा?' उसका जवाब ध्यान से सुनें। अगर वह खिलौना उस समय खुद इस्तेमाल कर रहा है तो उसे तुरंत छीनकर दूसरे बच्चे को न दें। आप कह सकते हैं- 'अभी तुम खेल रहे हो। जब तुम्हारा खेल पूरा हो जाए तो हम दूसरे बच्चे की बारी रखेंगे।' इससे बच्चे को लगता है कि उसकी भावनाएं सुनी व समझी जा रही हैं। बच्चा अपनी चीजें न दे तो क्या करें? तुरंत डांटें नहीं। पहले उसकी बात सुनें। असल वजह पूछें। समाधान बताएं। शेयर करने पर तारीफ करें। कारण समझें। जबरदस्ती न करें। शेयर करने और अपनी चीज बचाने में फर्क-पेरेंट्स अक्सर मान लेते हैं कि बच्चे

तुषार कपूर से धमकाकर मांगे रु5 करोड़,लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर के नाम से आया फोन- जांच में निकली आवाज फर्जी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने 5 करोड़ रुपए मांगे हैं।न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, तुषार कपूर ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी।



इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। इसके बाद आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल से किया गया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजें आपस में मेल नहीं खातीं। इससे पुलिस को शक है कि यह फर्जी कॉल था। किसी ने गैंग का नाम लेकर डर पैदा करने की कोशिश की। अब पुलिस उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसने धमकी भरी ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी।हैरी बॉक्सर पर रणवीर को धमकी देने का आरोपः- गौरतलब है कि लॉरेंस गैंग के गुर्गे हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम एक्टर रणवीर सिंह का है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। रकम नहीं देने पर रणवीर और उनके स्टाफ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के पीछे भी हैरी बॉक्सर और लॉरेंस गैंग का हाथ बताया गया था। इसकी जिम्मेदारी उन्होंने एक वॉइस नोट के जरिए ली थी। मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा को भी हैरी बॉक्सर ने धमकी दी थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित ऑडियो के अनुसार, सलमान खान से नजदीकियों के कारण गुरु रंधावा के दिल्ली स्थित एक जिम पर फायरिंग करवाई गई थी। उन्हें आगे के लिए चेतावनी भी दी गई थी। इसके अलावा कॉमेडियन कपिल शर्मा भी गैंग के निशाने पर रहे हैं। कनाडा में उनके कैफे पर फायरिंग हो चुकी है। तुषार को 'गोलमाल' फ्रेंचाइजी से पहचान मिली है:-गौरतलब है कि तुषार कपूर फेमस एक्टर जितेंद्र और प्रोड्यूसर शोभा कपूर के बेटे हैं। उनकी बड़ी बहन एकता कपूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर हैं। तुषार ने साल 2001 में फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर नजर आई थीं। फिल्म हिट रही और तुषार को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने 'क्या दिल ने कहा', 'जीना सिर्फ मेरे लिए' और 'ये दिल' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा पहचान कॉमेडी फिल्मों से मिली। 'क्या कूल हैं हम', 'गोलमाल', 'गोलमाल रिटर्न्स' और 'गोलमाल 3' उनकी चर्चित फिल्में हैं। फिल्म 'शोर इन द सिटी' में उनके अभिनय को भी सराहना मिली। तुषार ने फिल्मों के अलावा वेब सीरीज में भी काम किया है। साल 2021 में उन्होंने अपनी किताब 'बैचलर डैड' लिखी। इसमें उन्होंने सिंगल पिता बनने के अपने अनुभव साझा किए। तुषार ने शादी नहीं की है। जून 2016 में सरोगेसी के जरिए वह बेटे लक्ष्य के पिता बने। तुषार कपूर गूगल पर ट्रेंड कर रहे हैं।

जज बोले-देश की दया पर हो, बुराई नहीं कर सकते,बॉम्बे हाईकोर्ट की इमरान खान को फटकार

मुंबई। एक्टर इमरान खान ने एसआईआर के खिलाफ मुंबई में हुए प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी



विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को देश छोड़ने वाले नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उन्हें बिना शर्त माफी मांगने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा था-'भारत की उदारता देखिए कि एक अमेरिकी नागरिक को तुरंत देश से बाहर निकालने या डिपोर्ट करने के बजाय पहले एक नोटिस देकर देश छोड़ने के लिए कहा गया। अगर किसी भारतीय नागरिक ने विदेश में ऐसा ही कुछ किया होता, तो उसे अगली ही फ्लाइट से भारत वापस भेज दिया जाता। आप देश की दया पर हो, इसलिए बुराई नहीं कर सकते।' हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी 'लीव इंडिया नोटिस' (एलआईएन) का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक नोटिस पर रोक रहेगी। एक्टर इमरान खान 42 साल से भारत में रह रहे हैं लेकिन उनके पास अमेरिका की नागरिकता है, 2006 से ओसीआई कार्ड होल्डर हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के 5 कमेंटः- आप इतने सालों से भारत में रह रहे हैं, इस दौरान आपने कभी किसी प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया। फिर भी अब शामिल क्यों हुए। आप ओसीआई होल्डर हैं, आप भारतीय नागरिक जैसे व्यवहार नहीं कर सकते, आप एसआईआर से प्रभावित ही नहीं हैं, तो आपको प्रोटेस्ट का कोई हक नहीं। आप बचपन से यहां हैं तो भारतीय नागरिकता के लिए अप्लाई क्यों नहीं करते? अगर ओसीआई ही रहना है तो अंडरटेकिंग देनी होगी कि दोबारा ऐसे प्रोटेस्ट में नहीं जाएंगे। इसके अलावा बिना शर्त माफी भी देनी होगी, क्योंकि आपने लोगों को उकसाया है। ये सेलिब्रिटी से अपेक्षित नहीं। आपकी रोजी-रोटी सब इसी देश से है। इस केस में आगे क्या होगा-एक्टर इमरान खान को अंतरिम प्रोटेक्शन मिल गया है। कोर्ट ने कहा है कि आप कहीं नहीं जा रहे हैं, न आपको फिलहाल देश छोड़ना है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से भी जवाब दाखिल करने कहा है। इसके अलावा 'फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस' एफआरआरओ ने 17 अक्टूबर को इमरान का ओसीआई कैंसल करने का अलग शो-कॉज नोटिस भी दिया था। इस मामले पर सुनवाई 7 दिसंबर को होगी।

9 सवाल-जवाब में जानें ओसीआई क्या है, इसका महत्व क्याः-1. ओसीआई क्या हैं- ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्ड विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए आजीवन वीजा जैसा कार्ड। लेकिन दोहरी नागरिकता नहीं है, भारत दोहरी नागरिकता नहीं देता। 2. कौन ले सकता है- स्वयं, माता-पिता/दादा-दादी 26 जनवरी 1950 के बाद भारतीय नागरिक रहे हों, पाकिस्तान/बांग्लादेश को छोड़कर। 2006 से पीआईओ कार्ड को ओसीआई में मर्ज कर दिया गया।

दिवाली से पहले घर की डीप क्लीनिंग,वो 21 छिपे कोने, जहां दिखती नहीं है धूल, हर कोने की सफाई के आसान तरीके

दिवाली आते ही घर की साफ-सफाई शुरू हो जाती है। कोई पंखे साफ करता है, कोई जाले तो कोई बाथरूम के दाग साफ करने में जुट जाता है। लेकिन रोजाना की सफाई और डीप क्लीनिंग में फर्क है। घर के कई कोने ऐसे होते हैं, जहां धूल, नमी और गंदगी जमा होती रहती है, लेकिन उन पर अक्सर ध्यान





नहीं जाता।इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में दिवाली से पहले घर के डीप क्लीनिंग पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन जगहों की सफाई अक्सर छूट जाती है?घर की डीप क्लीनिंग की प्लानिंग कैसे करें कि आखिरी वक्त में अफरा-तफरी न हो।सवाल- दिवाली की डीप क्लीनिंग शुरू करने से पहले क्या तैयारी करें?जवाब- इसे पॉइंटर्स में समझें- 1. पहले सामान जुटाएं-माइक्रोफाइबर कपड़े, ब्रश, पोछा, दस्ताने और कचरे के बैग जैसी जरूरी चीजें पास में रखें। 2. फिर बेकार चीजें छांटें-पुराने अखबार, खाली डिब्बे और इस्तेमाल न होने वाला सामान हटाएं। इससे अलमारियों और दूसरी जगहों की सफाई आसान होगी। 3. काम का क्रम तय करें-कमरों के हिसाब से काम बांटें और सफाई ऊपर से नीचे की ओर करें। इससे साफ की गई जगहों पर दोबारा धूल नहीं जमेगी। 4. सुरक्षा का ध्यान रखें:-भारी फर्नीचर अकेले न खिसकाएं। बच्चों और पालतू जानवरों को सफाई वाली जगह से दूर रखें। डीप क्लीनिंग स्टेप बाय स्टेप':-अलमारी, फर्नीचर की सफाई करें। छत, पंखों से धूल-जाले हटाएं। खिड़की-दरवाजे साफ करें। सबसे आखिर में झाड़ू-पोछा करें। किचन, बाथरूम की सफाई करें। बालकनी, छत बराबर साफ करें। सवाल- छत, पंखे, दीवारों और ऊंची अलमारियों की सफाई कैसे करें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए-छत और दीवारें-लंबे हैंडल वाले डस्टर से जाले हटाएं। पेंट की गई दीवारों को सूखे या हल्के नम कपड़े से साफ करें। पंखे और लाइटें-पंखे के ब्लेड को माइक्रोफाइबर कपड़े से साफ करें। लाइट को साफ करने से पहले स्विच बंद कर दें और उसके ठंडा होने का इंतजार करें। ऊंची अलमारियां-ऊंचाई पर सफाई के लिए मजबूत सीढ़ी का इस्तेमाल करें और किसी की मदद लें। घूमने वाली कुर्सी पर चढ़कर सफाई न करें। सफाई के दौरान धूल उड़ने से एलर्जी, छींक, खांसी और सांस की परेशानी बढ़ सकती है, खासकर अगर किसी को अस्थमा है। इसलिए सूखे कपड़े से धूल झाड़ने के बजाय नम माइक्रोफाइबर कपड़ा यूज करें और पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें। सवाल- किचन की डीप क्लीनिंग कैसे करें, खासकर चिमनी, गैस और कैबिनेट की? जवाब- किचन में तेल की चिकनाई, फूड पार्टिकल्स और नमी जमा होने से गंदगी बढ़ती है। सफाई करते समय इन बातों का ध्यान रखें- गैस स्टोव और चिमनी-गैस बंद करके स्टोव ठंडा होने दें। फिर चिकनाई साफ करें।चिमनी का फिल्टर निर्माता के निर्देशों के अनुसार साफ करें। किचन कैबिनेट और दराजें- सामान निकालकर शेल्फ और कोनों की सफाई करें। डिब्बों को अच्छी तरह सुखाकर वापस रखें। हैंडल और दराजों के किनारे भी साफ करें। सिंक और काउंटर-फूड पार्टिकल्स हटाकर सिंक और नल के आसपास की चिकनाई साफ करें। जरूरत के अनुसार सिंक और काउंटर को सैनिटाइज करें। ब्लीच को एसिड या अमोनिया वाले क्लीनर के साथ कभी न मिलाएं। इससे जहरीली गैस बन सकती है। 21 जगहें, जहां गंदगी दिखाई नहीं देती:- फ्रिज की सील में जमा गंदगी। डिब्बों के नीचे बैठी धूल। माइक्रोवेव में खाने के छींटे। कैबिनेट हैंडल पर जमी चिकनाई। गैस स्टोव के नीचे-पीछे चिकनाई। वॉशिंग मशीन की सील और ट्रे। सोफे के कुशन के नीचे धूल। चिमनी की जाली पर चिकनाई। रिमोट के बटनों के बीच मैल। स्विच बोर्ड पर जमी मैल। खिड़की की पटरियों में धूल। बेड के नीचे बोतलों के छिपी धूल। ढक्कनों में मैल। नल पर जमा सफेद परत। एसी के फिल्टर में धूल। पर्दों की सिलवटों में धूल। गद्दे के किनारों पर धूल। फ्रिज की कॉइल पर धूल। की-बोर्ड के बटनों में धूल। शॉवरहेड के छेदों में मैल। सिंक जाली में फंसे फूड पार्टिकल। सवाल- फ्रिज, माइक्रोवेव और दूसरे किचन उपकरणों की सफाई कैसे करें? जवाब- किचन उपकरणों की सफाई करते समय फूड पार्टिकल्स हटाने के साथ उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखें। फ्रिज की सफाई-शेल्फ और दराजें निकालकर उसे निर्माता के निर्देशों के अनुसार साफ करें। शेल्फ पूरी तरह सुखाकर ही वापस लगाएं। माइक्रोवेव और मिक्सर-माइक्रोवेव का टर्नटेबल निकालकर साफ करें। मिक्सर का जार और ढक्कन धोकर सुखाएं। मोटर वाले हिस्से को पानी में न डुबोएं। दूसरे जरूरी हिस्से-टोस्टर की क्रम्ब-ट्रे साफ करने से पहले उसे अनप्लग करके ठंडा होने दें।पानी की बोतलों के ढक्कन और डस्टबिन के अंदरूनी हिस्से को भी साफ करें। सवाल- बाथरूम की डीप क्लीनिंग कैसे करें ताकि बदबू, दाग और फफूंद से छुटकारा मिले? जवाब- बाथरूम डीप क्लीनिंग के टिप्स पॉइंटर्स में देखिए- टॉयलेट और वॉशबेसिन-टॉयलेट सीट, ढक्कन, फ्लश बटन और बाहरी हिस्सों को साफ करें। वॉशबेसिन के नल और आसपास जमी परत हटाएं। टॉयलेट के लिए अलग कपड़ा और ब्रश रखें। टाइल्स और शॉवर एरिया-टाइल्स के जोड़ों को उपयुक्त ब्रश से साफ करें। नल और कांच पर जमे पानी के दाग हटाएं। सिलिकॉन सील और कोनों में फफूंद के निशान देखें। फफूंद बार-बार लौटे तो रिसाव और नमी की वजह तलाशें।



सफाई के बाद एग्जॉस्ट फैन चलाएं या खिड़की खोलें, ताकि नमी बाहर निकल सके। सवाल- बेडरूम की सफाई में किन चीजों पर सबसे ज्यादा ध्यान दें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- बिस्तर और गद्दा-गद्दे को निर्माता के निर्देशों के अनुसार वैक्यूम करें। बेड के नीचे और किनारों की धूल हटाएं। बेड के नीचे, साइड टेबल के पीछे और खिड़की के किनारों की धूल साफ करें। अलमारी और कपड़े-इस्तेमाल न होने वाले कपड़ों की छंटाई करें। अलमारी के अंदर की सफाई करें। सवाल- हॉल, सोफा, कालीन और पर्दों की सफाई कैसे करें? जवाब- इनकी सफाई करते समय मैटेरियल का ध्यान रखें। सोफे के कुशन हटाकर नीचे की धूल साफ करें। कपड़े के सोफे और कालीन को वैक्यूम करें। सोफे के कवर और पर्दों को धोने से पहले केयर लेबल देखें। ब्लाइंड्स को उपयुक्त डस्टर से साफ करें। चमड़े के सोफे पर उसी के लिए बने क्लीनर का इस्तेमाल करें। सफाई के बाद कपड़ों, गद्दों और कालीन को पूरी तरह सुखाएं, ताकि नमी और फफूंद न पनपे। टीवी, रिमोट और स्पीकर को सूखे या उपयुक्त कपड़े से साफ करें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर सीधे पानी या क्लीनर न छिड़कें। सवाल- बालकनी, छत, गार्डन और खिड़कियों की सफाई कैसे करें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- बालकनी की रेलिंग, ग्रिल, खिड़कियों की जाली और पटरियों से धूल हटाएं। गमलों के नीचे जमा मिट्टी और पानी साफ करें। सूखी पत्तियां हटाएं और पानी की निकासी का रास्ता खुला रखें। खिड़कियों के कांच को उपयुक्त क्लीनर से साफ करें। बाहर की ओर झुककर सफाई न करें। छत या ऊंचाई पर जोखिम भरा काम करने की बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति की मदद लें।सवाल- वॉशिंग मशीन, एसी और कूलर की सफाई कैसे करें? जवाब- सफाई से पहले उपकरण बंद करें। साथ ही कुछ बातों का ध्यान रखें- वॉशिंग मशीन-डिटर्जेंट ड्रॉअर और रबर सील की सफाई करें। इस्तेमाल के बाद दरवाजा कुछ समय खुला छोड़ें, ताकि नमी कम हो। एसी फिल्टर को निर्देशों के अनुसार साफ करें। अंदरूनी हिस्सों की सफाई के लिए तकनीशियन बुलाएं। कूलर-टंकी खाली करके साफ करें और सुखाएं। पानी जमा होने वाले हिस्सों में गंदगी की जांच करें। सवाल- घर की किन सतहों को सैनिटाइज करना जरूरी है? जवाब- सामान्य सफाई ज्यादातर जगहों के लिए पर्याप्त है। सैनिटाइजेशन या डिसइन्फेक्शन की जरूरत मुख्य रूप से इन जगहों पर होती है- बार-बार छुई जाने वाली सतहें। किचन काउंटर। टॉयलेट और बाथरूम। बीमार व्यक्ति के संपर्क वाली सतहें। सवाल- दिवाली से पहले सफाई का काम कैसे बांटें, ताकि आखिरी दिन अफरा-तफरी न हो? जवाब- पूरे घर की सफाई एक दिन में करने की बजाय काम को चार दिनों में बांटें। इससे समय का बेहतर इस्तेमाल होगा और आखिरी दिन का दबाव कम होगा। डीप क्लीनिंग का 4 डेज प्लानः-किचन, बाथरूम और घरेलू उपकरण क्लीनिंग। खिड़कियां, दरवाजे, बालकनी, छत क्लीनिंग सामान की छंटाई, छत, पंखे, जाले क्लीनिंग। बेडरूम, सोफा, कालीन और पर्दे क्लीनिंग। दिवाली पर घर की सजावट और रोशनी तभी अच्छी लगती है, जब घर का हर कोना साफ-सुथरा हो। सही योजना और सावधानी के साथ इसे समय पर पूरा करें, ताकि दिवाली के दिन अधूरे कामों की चिंता न रहे। आखिर त्योहार की असली रौनक घर की सजावट के साथ अपनों के बीच सुकून से बिताए गए पलों में भी है।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।